राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Email :-futurelinetimes@gmail.com

फ्यूचर लाइन टाईम्स

Youtube channel : @fltnews2398

वर्ष : 03 अंक 318 | बुद्धवार 12 मार्च 2025, नोएडा गौतमबुद्ध नगर | आर एन आई. नं0. -UPHIN/2022/87673 | पेजः 8 मूल्य : 2 रुपया

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने मोहाली में नागरिक अभिनंदन समारोह में भाग लिया

मोहाली । राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने पंजाब सरकार द्वारा मंगलवार कोउनके सम्मान में मोहाली में आयोजित नागरिक अभिनंदन समारोह में भाग लिया । इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि गुरुओं के आशीर्वाद और प्रेरणा से पंजाब की धरती ने शहीदों और क्रांतिकारियों को जन्म दिया है। देश के स्वतंत्रता संग्राम के महत्वपूर्ण अध्याय पंजाब की धरती पर लिखे गए हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि पंजाब के लोगों ने सेवा और समर्पण की अनेक मिसालें कायम की हैं । दुनिया भर के गुरुद्वारों का लंगर बिना किसी भेदभाव के सभी लोगों के लिए खुला है । दुनिया भर के लोगों ने लंगर सेवा की कला पंजाब के लोगों से सीखी है। राष्ट्रपति ने कहा कि हमारी सशस्त्र सेनाओं में पंजाब के वीर जवानों का योगदान बहुत महत्वपूर्ण है। पंजाब की धरती ने असाधारण व्यक्तित्वों को जन्म दिया है, जिन्होंने समाज सुधार, शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, उद्योग, खेल, राजनीति और समाज सेवा जैसे अनेक क्षेत्रों में देश और दुनिया को योगदान दिया है । भारतीय कृषि के विकास में भी पंजाब ने अग्रणी योगदान दिया है। 1960 के दशक से जब देश में खाद्यान्नों की कमी थी, तब पंजाब के प्रगतिशील किसानों ने अपनी मेहनत से हरित क्रांति को सफल बनाया और देश को खाद्य सुरक्षा प्रदान की । उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि पंजाब के किसान और कृषि वैज्ञानिक एक बार फिर पर्यावरण अनुकूल खेती को अपनाकर कृषि के क्षेत्र में पूरे देश को नेतृत्व प्रदान करेंगे ।

आर्मीनियाई विदेश मंत्री की भारत यात्रा, गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए जयशंकर को दिया धन्यवाद

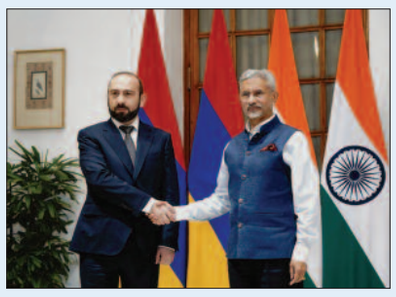

नई दिल्ली । आर्मीनियाई विदेश मंत्री अरारत मिर्जोयान ने मंगलवार को भारत की आधिकारिक यात्रा के दौरान उन्हें और उनके प्रतिनिधिमंडल के गर्मजोशी भरे स्वागत और आतिथ्य के लिए विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर के प्रति आभार व्यक्त किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मिर्जोयान ने पोस्ट किया, 'आज दिल्ली में मुझे और मेरे प्रतिनिधिमंडल को मिले गर्मजोशी भरे स्वागत और आतिथ्य के लिए मंत्री डॉ. एस जयशंकर को धन्यवाद।' आर्मीनियाई विदेश मंत्री ने कहा, 'हमने अपने द्विपक्षीय एजेंडे के प्रमुख विषयों पर उपयोगी चर्चा की, हमने जो महत्वपूर्ण प्रगति की है, उस पर विचार किया गया। इसके साथ ही हमारी साझेदारी को और गहरा करने के तरीकों की रूपरेखा तैयार की गई। क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विकास पर बातचीत जारी रखना खुशी की बात है।' विदेश मंत्री जयशंकर के निमंत्रण पर आर्मीनियाई विदेश मंत्री 9 से 11 मार्च तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर हैं। यात्रा के दौरान, दोनों नेताओं ने सकारात्मक चर्चा की। यह बातचीत भारत-आर्मीनिया के द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने से जुड़े मुद्दों पर केंद्रित रही।

होलिका दहन के अगले दिन लग रहा खग्रास चंद्र ग्रहण

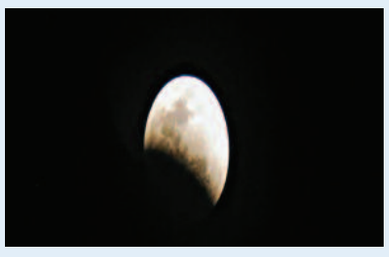

नई दिल्ली । फाल्गुन मास की पूर्णिमा यानी होलिका दहन के एक दिन बाद चंद्र ग्रहण लगाने वाला है। दरअसल 14 मार्च को भी पूर्णिमा रहेगी। इस बार सूर्य का राशि परिवर्तन और चंद्र ग्रहण दोनों एक दिन पड़ रहे हैं। दरअसल सूर्य हर माह राशि परिवर्तन करते हैं। इस बार सूर्य का राशि परिवर्तन 14 मार्च को होगा और तभी चंद्र ग्रहण लग रहा है। सूर्य इस बार गुरु की राशि मीन में जा रहे हैं। इस राशि में मार्च में शनि भी आ जाएंगे। बता दें कि यह चंद्रग्रहण खग्रास चंद्र ग्रहण होगा। इस ग्रहण के सूतक काल पर विचार किया जाना बहुत जरूरी है। दरअसल चंद्र ग्रहण के दौरान चंद्रमा कन्या राशि में रहेगा। बता दें कि यह ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा, इसलिए ग्रहण का सूतक नहीं लगेगा। जो ग्रहण जिस देश में नहीं दिखता, तब उसका प्रभाव वहां नहीं माना जाता। इस प्रकार होली पर पड़ने वाले चंद्र ग्रहण का कोई असर भारत में धार्मिक तौर पर नहीं होगा। हालांकि विभिन्न राशियों पर इसका असर हो सकता है।

होली कब है, होली का शुभ मुहूर्त

इस साल 13 मार्च को पूर्णिमा तिथि है, सुबह 10:36 बजे भद्रा काल शुरू हो जाएगा। इसी दिन होलिका का पूजन रात में होलिका दहन भद्रा के समाप्त होने के बाद 11.28 पर किया जाएगा। आपको बता दें कि पूर्णिमा तिथि की शुरुआत 13 मार्च को सुबह 10:36 बजे होगी। इसका समापन 14 मार्च को दोपहर 12:35 बजे होगा।

-पुरस्कार पाने वाले पहले भारतीय

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को मॉरीशस का सर्वोच्च नागरिक सम्मान

नई दिल्ली (एजेंसी)। मॉरीशस ने प्रधानमंत्री मोदी को ग्रैंड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार और की ऑफ द इंडियन ओशन से सम्मानित करने की घोषणा की है। इसके साथ ही ये किसी देश द्वारा पीएम मोदी को दिया जाने वाला 21वां अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार है।

मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश का सर्वोच्च सम्मान द ग्रैंड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार एंड की ऑफ द इंडियन ओशन देने की घोषणा की। पीएम मोदी मॉरीशस का सर्वोच्च सम्मान पाने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। रामगुलाम ने पोर्ट लुईस में भारतीय समुदाय के एक कार्यक्रम में ये घोषणा की।

प्रधानमंत्री श्री मोदी आज दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर मॉरीशस पहुंचे, जहां उनका स्वागत रामगुलाम ने किया। दोनों नेताओं ने हवाई अड्डे पर गर्मजोशी से गले मिलकर अभिवादन किया। पीएम श्री मोदी कल मॉरीशस के 57वें राष्ट्रीय दिवस समारोह के मुख्य अतिथि रुप में शामिल होंगे। भारतीय नौसेना के एक युद्धपोत के साथ भारतीय रक्षा बलों की एक टुकड़ी समारोह में भाग लेगी। इसके अलावा वह

द्वीप राष्ट्र में लोकतंत्र को मजबूत करने के उद्देश्य से नई प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की घोषणा भी करेंगे।

पीएम श्री मोदी ने मॉरीशस के राष्ट्रपति धरमबीर गोखुल से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने मॉरीशस के राष्ट्रपति को कई चीजें भेंट की है, जिसमें महाकुंभ से संगम का जल और सुपर फूड मखाना भी शामिल है। इसके अलावा पीएम श्री मोदी ने गोखुल की पत्नी वृंदा गोखुल को बनारसी सिल्क की साड़ी भी भेंट की है।

मॉरीशस के राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद प्रधानमंत्री श्री मोदी ने एक्स पर लिखा, राष्ट्रपति धर्मबीर गोखूल के साथ बहुत अच्छी मुलाकात हुई। वे भारत और भारतीय संस्कृति से अच्छी तरह परिचित हैं। मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस समारोह में शामिल होने के लिए मुझे आमंत्रित करने के लिए आभार व्यक्त किया। हमने विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को और बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा की.

एक अन्य ट्वीट में पीएम श्री मोदी ने कहा, ये सराहनीय है कि मॉरीशस के स्टेट हाउस में आयुर्वेदिक गार्डन बनाया गया है। मुझे इस बात की भी खुशी है कि मॉरीशस में आयुर्वेद की लोकप्रियता बढ़ रही है। राष्ट्रपति धर्मबीर गोखूल और मैं आयुर्वेदिक गार्डन गए, जिससे मुझे इसे प्रत्यक्ष रूप से देखने का अवसर मिला।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 10 साल बाद मॉरीशस के दौरे पर पहुंचे हैं। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी साल 2015 मार्च में मॉरीशस गए थे। उस वक्त भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मुख्य अतिथि के तौर पर राष्ट्रीय दिवस समारोह में शामिल हुए थे। मॉरीशस और भारत का पुराना रिश्ता रहा है। यहां की कुल आबादी का लगभग 70 फीसदी लोग भारतीय मूल के हैं।

बलूचिस्तान में ट्रेन हाईजैक कर बलूच विद्रोहियों ने 500 यात्रियों को बनाया बंधक

-विद्रोहियों ने पाकिस्तान के 6 सैनिकों को मौत के घाट उतारा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में मंगलवार को बलूच विद्रोहियों ने जाफर एक्सप्रेस ट्रेन को हाईजैक कर लिया, जिसमें लगभग 500 यात्री सवार थे। यह ट्रेन क्वेटा से पेशावर जा रही थी। बलूच विद्रोहियों का दावा है कि इस कार्रवाई में उन्होंने छह पाकिस्तानी सैन्यकर्मियों को मार गिराया है और 100 से अधिक यात्रियों को बंधक बना लिया है।

बलूचिस्तान के अलगाववादी गुट बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने एक बयान जारी करते हुए ट्रेन पर कब्जा करने का दावा किया है। बलूच गुट ने कहा है कि ट्रेन हाईजैक करने की कोशिश में पाकिस्तान के छह सैन्यकर्मी भी मारे गए हैं। इसके साथ ही 100 से ज्यादा यात्रियों को बंधक बनाए जाने का भी दावा किया गया है। बंधकों की सही संख्या की जानकारी फिलहाल उपलब्ध नहीं है। इस घटना पर पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार ने कोई बयान फिलहाल नहीं दिया है।

क्वेटा से पेशावर जा रही थी ट्रेन

मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि हाईजैक हुई ट्रेन पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत के क्वेटा शहर से खैबर पख्तूनख्वा के पेशावर को जा रही थी। इसी दौरान बलूच विद्राहियों ने हमला कर ट्रेन को हाईजैक कर लिया। रेलवे नियंत्रक मुहम्मद काशिफ के हवाले से बताया गया है कि नौ बोगियों वाली इस ट्रेन में तकरीबन 500 यात्री सवार थे। ऐसे में यह कहना मुश्किल है कि इनमें से कितने लोगों को बंधक बनाया गया है। वहीं एक अन्य रिपोर्ट में बलूच विद्राहियों द्वारा ट्रेन में सवार महिला, बच्चों और बलूच लोगों को छोड़ने का दावा भी किया गया है।

मीडिया रिपोर्ट की मानें तो हथियारबंद बलूच विद्राहियों ने जाफर एक्सप्रेस को बलूचिस्चान में टनल 8 पर रोक रखा है। बलूच लिबरेशन आर्मी ने ट्रेन हाईजैक करने के बाद बयान जारी कर कहा है कि बनाए गए बंधकों में पाकिस्तानी सेना के जवान और सुरक्षा एजेंसियों के सदस्य भी शामिल हैं। बीएलए का कहना है कि मागें नहीं माने जाने पर बंधकों को नुकसान भी पहुंचाया जा सकता है।

गौरतलब है कि लंबे समय से बलूचिस्तान के अलगाववादी विद्रोही गुट बीएलए और पाकिस्तान सरकार के बीच संघर्ष चल रहा है। ऐसे में ट्रेन हाईजैक करने से इस मामले को और तूल मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। बीएलए की स्वायत्तता की मांग अब पाकिस्तानी सरकार के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय बन गई है।

रेलवे संशोधन बिल पास, अब जीएम को मिला एक हजार करोड़ के प्रोजेक्ट स्वीकृत करने का अधिकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेलवे संशोधन अधिनियम 2025 बिल पास हो गया है। यह बिल यात्रियों की सुविधाएं बढ़ाने में मददगार होगा। वहीं, हादसों को रोकने के लिए कचव 4.0 तकनीक के इस्तेमाल का काम तेजी से किया जा सकेगा। नई रेल लाइन बिछाने, स?टेशनों पर रिडेवलमेंट का काम कराने और यात्रियों के सुविधाजनक सफर के लिए नई नई तकनीकों के प्रयोग को बढ़ावा देने वाला है।

रेलवे बोर्ड के एग्जक्यूटिव डायरेक्टर के मुताबिक राज्यसभा में पास रेलवे (संशोधन) विधेयक 2025 से जोनों की ताकत बढ़ेगी। जोन के जीएम को एक हजार करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट स्वीकृत करने का अधिकार दिया है यानी स्टेशनों में यात्रियों की सुविधा से लेकर सुरक्षा तक के काम को जीएम खुद करा सकेंगे। अभी तक रेलवे बोर्ड की स्वीकृति लेनी पड़ती थी। इतना ही नहीं नई रेल लाइन से जुड़े कामों को जीएम करा सकेंगे। पहले ये काम बोर्ड की अनुमति से किए जाते थे, जिसमें समय लगता था। हादसों को रोकने के लिए कवच 4.0 तकनीक को स्वीकृति प्रदान की गई है। इसका 10000 किमी. का टेंडर जारी कर दिया गया है, जिसका लक्ष?य पांच साल रखा है। नए विधेयक के पारित होने के बाद यह

काम भी समय से पूरा किया जा सकेगा।

अभी तक रेलवे बोर्ड की देखरेख में रेलवे अपने जोन, डिवीजन और प्रोडक्शन यूनिट के जरिए से काम करता है। अब रेलवे संशोधन बिल पुराने प्रावधानों की जगह लेगा। अब रेलवे बोर्ड के प्रावधान रेलवे अधिनियम, 1989 में शामिल किए हैं। नए अधिनियम बिल से दो अधिनियमों का संदर्भ कम हो जाएगा। अब केवल एक अधिनियम का संदर्भ देने की जरुरत होगी। रेलवे बोर्ड, जोन, डिवीजन, प्रोडक्शन यूनिटों के अधिकार, दायरा और कार्यप्रणाली वही रहेगी।

इसके साथ ही स्थायी समिति ने लोकसभा में अपनी दूसरी रिपोर्ट पेश की। इसमें अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 1,337 स्टेशनों के रिडेवलमेंट के काम में तेजी लाने को कहा गया है। समिति का मानना है कि अमृत भारत स्टेशन योजना का दायरा बढ़ाकर इसमें और ज्यादा स्टेशनों को खासतौर पर पिछड़े और ग्रामीण इलाकों के शामिल किया जाना चाहिए। समिति ने रेल मंत्रालय से आग्रह किया है कि वह स्टेशनों के रिडेवलपमेंट के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल को सक्रिय रूप से तलाशें और प्रोत्साहित करें, ताकि बजटीय सहायता पर निर्भरता कम हो सके।

संसद में ट्राय-लैंग्वेज पॉलिसी को लेकर दूसरे दिन भी हुआ विरोध

-काले कपड़ों में डीएमके सांसदों ने किया प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। बजट सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) और ट्राय-लैंग्वेज सिस्टम को लेकर विपक्षी सांसदों ने संसद के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। डीएमके सांसद कनिमोझी और अन्य पार्टी के नेता काले कपड़े पहनकर संसद पहुंचे और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की टिप्पणी का कड़ा विरोध किया है। विरोध प्रदर्शन कर रहे संसद के सदस्यों ने शिक्षा मंत्री से माफी की मांग की है।

ट्राय-लैंग्वेज सिस्टम विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि डीएमके के नेता ईमानदार नहीं हैं और वे तमिलनाडु के छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ कर रहे हैं। शिक्षा मंत्री प्रधान ने कहा, डीएमके केवल राजनीति कर रही है और भाषा की बाधाएं खड़ी कर रही है। वे अलोकतांत्रिक और असभ्य हैं।

तमिलनाडु सरकार कर रही विरोध

केंद्र सरकार द्वारा लागू की गई नई शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत तीन भाषाओं - स्थानीय भाषा, अंग्रेजी और हिंदी - को अनिवार्य किए जाने का विरोध लगातार जारी है। इस फैसले का तमिलनाडु सरकार लगातार विरोध कर रही है। सरकार का कहना है कि इस नीति के जरिए राज्य पर जबरदस्ती हिंदी भाषा थोपी जा रही है। इसी के विरोध में डीएमके सांसद प्रदर्शन कर रहे हैं।

कनिमोझी ने किया पलटवार

डीएमके सांसद कनिमोझी जो कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री की बहन भी हैं, ने शिक्षा मंत्री प्रधान के बयान को गलत ठहराया है। उन्होंने कहा, कि हमारे मुख्यमंत्री और सांसदों के खिलाफ जिस भाषा का प्रयोग किया गया है, वह भयानक है। असभ्य शब्द किसी भी व्यक्ति के लिए इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। यह अत्यंत अपमानजनक है। इसके साथ ही उन्होंने आगे कहा, कि तमिलनाडु के लोग विदेशों में भी बस चुके हैं और वे वहां से धन भी भेजते हैं। हमारी शिक्षा प्रणाली सशक्त है। फिर हम गलत कैसे हो सकते हैं? आप बच्चों के लिए कठिन भाषा को जबरन पाठ्यक्रम में क्यों शामिल करना चाहते हैं?

तमिलनाडु सरकार और केंद्र के बीच ट्राय-लैंग्वेज पॉलिसी को लेकर टकराव बढ़ता जा रहा है। तमिलनाडु सरकार इस नीति को हिंदी थोपने का प्रयास बता रही है, जबकि केंद्र सरकार इसे छात्रों के लिए फायदेमंद बता रही है। संसद में यह मुद्दा लगातार गरमाता जा रहा है और विपक्ष ने इस पर तीखी बहस की चेतावनी दी है।

खरगे के बयान पर राज्यसभा में हंगामा, बाद में मांग ली माफी

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण में राज्यसभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के एक बयान पर विवाद खड़ा हो गया। मंगलवार को डिप्टी स्पीकर हरिवंश को लेकर दिए गए उनके बयान पर बीजेपी ने कड़ी आपत्ति जताई और माफी की मांग की। विवाद बढ़ता देख खरगे ने अंततः अपनी बात पर खेद प्रकट कर दिया। दरअसल राज्यसभा में नई शिक्षा नीति पर चर्चा के दौरान कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह को बोलने का मौका मिला। इस दौरान खरगे भी बीच में बोलने लगे, जिस पर डिप्टी स्पीकर हरिवंश ने उन्हें रोका और कहा कि उन्हें सुबह ही बोलने का अवसर दिया गया था। इस पर खरगे ने जवाब दिया कि सुबह शिक्षा मंत्री नहीं थे। डिप्टी स्पीकर के बार-बार बैठने के आग्रह पर खरगे भड़क गए और टिप्पणी करते हुए कहा, आपको क्या-क्या ठोकना है, हम ठीक से ठोकेंगे। खरगे के इस बयान पर बीजेपी सांसदों ने जबरदस्त हंगामा कर दिया। राज्यसभा में नेता जेपी नड्डा ने बयान की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि - नेता विपक्ष तजुर्बेकार हैं, उन्होंने संसदीय कार्य में लंबा अनुभव लिया है। लेकिन जिस भाषा का इस्तेमाल किया गया है, वह निंदनीय है। उन्हें इसके लिए माफी मांगनी चाहिए। हंगामा और विवाद बढ़ता देख खरगे ने अपनी बात पर खेद प्रकट करते हुए कहा, उपसभापति जी, मैं माफी मांगता हूं। मैंने ये शब्द आपके लिए नहीं, बल्कि सरकार की नीतियों के लिए बोले थे। अगर मेरी बात से आपको ठेस पहुंची है, तो मैं खेद व्यक्त करता हूं।

नॉर्थ-ईस्ट के एक भी युवा को रोजगार के लिए देश के दूसरे हिस्सों में नहीं जाना पड़ेगा : अमित शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) द्वारा आयोजित नॉर्थ-ईस्ट छात्र एवं युवा संसद को संबोधित करते हुए कहा कि 10 साल के अंदर नॉर्थ-ईस्ट के एक भी युवा को रोजगार के लिए देश के दूसरे हिस्सों में नहीं जाना पड़ेगा। उन्हें नॉर्थ ईस्ट में ही रोजगार के अवसर मिलेंगे।

गृहमंत्री अमित शाह ने अपने संबोधन में राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भागीदारी के महत्व पर जोर दिया और नॉर्थ-ईस्ट के छात्रों को 2047 तक मजबूत और विकसित भारत के निर्माण में योगदान के लिए प्रेरित किया। उन्होंने युवाओं को सशक्त बनाने, शैक्षिक पहल को बढ़ावा देने और नॉर्थ-ईस्ट के युवाओं के बीच सामुदायिक भावना को बढ़ावा देने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि जिस राज्य में शांति नहीं होती है, वहां विकास नहीं हो सकता और मोदी सरकार ने नॉर्थ ईस्ट में शांति लाने का काम किया है। भाजपा सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि उसने पूर्वोत्तर और शेष भारत के बीच की दूरी को कम कर दिया है। वर्ष 2027 तक नॉर्थ-ईस्ट की हर राजधानी ट्रेन, विमान और सड़क मार्ग से जुड़ जाएगी।

शाह ने कहा कि आतंकवाद, अलगाववाद, हिंसा, ड्रग, बंद और प्रांतवाद ने नॉर्थ-ईस्ट को अनेक टुकड़ों में बांट दिया। इसके कारण पिछले 40 साल जब देश विकास के रास्ते पर चल रहा था, नॉर्थ-ईस्ट पिछड़ता गया। शाह ने कहा कि भाजपा शासन में हमेशा नॉर्थ-ईस्ट को वरीयता दी गई। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी के शासन काल में पूर्वोत्तर के लिए अलग मंत्रालय का गठन किया गया। वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तमाम योजनाओं के केंद्र में पूर्वोत्तर को रखने का काम किया।

उन्होंने कहा कि मणिपुर में नस्लीय हिंसा की घटना को छोड़ दें तो केवल 10 वर्षों में पूर्वोत्तर आज पूर्ण शांति का अनुभव कर रहा है। वर्ष 2004 से 2014 तक हिंसा की कुल 11,000 घटनाएं हुईं और 2014 से 2024 तक 3,428 घटनाएं हुईं। यानी 70 प्रतिशत की कमी हुई है। सुरक्षा बलों की मौतों की संख्या में भी 70 प्रतिशत की कमी आई है। पिछले 10 वर्षों में नागरिकों की मौतों की संख्या में 89 प्रतिशत की कमी आई है। हमारा पूर्वोत्तर आज शांति का अनुभव कर रहा है। चाहे वह मेघालय हो, अरुणाचल हो, असम हो, नगालैंड हो या मिजोरम हो, हमने सभी सशस्त्र समूहों के साथ समझौते किए हैं और 10,500 से अधिक विद्रोही अपने हथियार डालकर मुख्यधारा में शामिल हुए हैं। हमारी सरकार ने 10 वर्षों में 12 महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने नॉर्थ ईस्ट के विकास के लिए बहुत बड़ा बजट दिया है। दस साल में प्रधानमंत्री ने नॉर्थ-ईस्ट को अपना मानते हुए इसके विकास का इतना ध्यान रखा है कि उन्होंने तय किया है कि हर महीने कोई न कोई मंत्री नॉर्थ-ईस्ट के किसी न किसी राज्य में रात्रि निवास करेगा। मैं आपको बताना चाहता हूं कि आजादी के बाद से अब तक सभी प्रधानमंत्रियों की नॉर्थ-ईस्ट की यात्राओं की कुल संख्या असम को छोड़कर 21 है और अकेले नरेन्द्र मोदी की नॉर्थ-ईस्ट की यात्राओं की संख्या 78 है, जो दर्शाता है कि नॉर्थ ईस्ट को कितना महत्व दिया गया है।

नॉर्थ-ईस्ट के विकास के लिए 2014-15 की तुलना में 2024-25 के बजट में 150 प्रतिशत की वृद्धि की गयी है। उन्होंने कहा कि वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम में 4800 करोड़ रुपये खर्च किए गए, जिसका खासतौर पर अरुणाचल प्रदेश को फायदा होगा। ब्रह्मपुत्र पर भारत का सबसे लंबा रेल-सह-सड़क पुल बनाने की योजना बनाई जा रही है। अरुणाचल को ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट उपहार में दिया गया। असम और भूटान के बीच रेल लाइन बनाई जा रही है। सिक्किम में जैविक खेती भी हमारी सरकार के तहत शुरू हुई।

शाह ने कहा कि आज असम में 2700

करोड़ रुपये का सेमीकंडक्टर प्लांट लग रहा है, जो आपके काम आएगा, इतना ही नहीं, 2.5 लाख करोड़ रुपये का निवेश आ रहा है। इसकी नींव रखने का काम इन 10 सालों में हुआ है। 10 साल के अंदर नॉर्थ-ईस्ट के एक भी बच्चे या युवा को काम के लिए देश के दूसरे हिस्सों में नहीं जाना पड़ेगा। आपको नॉर्थ ईस्ट में ही रोजगार मिलेगा।

गृहमंत्री शाह ने कहा कि नॉर्थ-ईस्ट भारतीय संस्कृति का एक अमूल्य गहना है। नॉर्थ-ईस्ट भारत की संस्कृति को समृद्ध करने वाली विरासतों से लैस है। 220 से अधिक जनजातीय समूह, 160 से ज्यादा जनजातियां और 200 से अधिक भाषा-बोलियां, 50 यूनिक त्योहार और 30 से ज्यादा नृत्य शैली यहां उपलब्ध हैं। इसके बावजूद उन्होंने नॉर्थ-ईस्ट के पिछड़ने पर चिंता जताई। उन्होंने नॉर्थ-ईस्ट को भारत के विकास के साथ जोड़ने की जरूरत पर बल दिया।

संक्षिप्त समाचार

होली तक चिकित्सकों और कर्मचारियों के अवकाश निरस्त, अपरिहार्य स्थिति में ही मान्य होगी छुट्टी

लखनऊ , एजेंसी। होली तक सरकारी अस्पतालों में कार्यरत चिकित्सक और कर्मचारियों के अवकाश निरस्त कर दिए गए हैं। हालांकि, अपरिहार्य स्थिति में अवकाश मान्य होगा। सभी अस्पताल प्रभारियों को निर्देश स्वास्थ्य महानिदेशालय से मिले हैं। जरूरी दवाओं के इंतजाम इमरजेंसी में रखने के निर्देश भी दिए गए हैं। होली में आपात स्थिति से निपटने के लिए अस्पताल तैयार किए जा रहे हैं। साथ ही इमरजेंसी वार्ड में चिकित्सकों की ड्यूटी का रोस्टर तैयार करने के निर्देश मिले हैं। इसमें नेत्र रोग, आर्थोपैडिक, फिजिशियन व सर्जन की ड्यूटी तय हो रही है। अन्य विशेषज्ञों की जरूरत होने पर उन्हें ऑन कॉल बुलाया जाएगा, ताकि मरीजों को इलाज मिल सके। सीएचसी के इमरजेंसी वार्ड में दवा व रुई-पट्टी के इंतजाम दुरुस्त रखने के लिए कहा गया है। सीएमओ डॉ. एनबी सिंह ने बताया सीएचसी में चिकित्सकों की ड्यूटी तय करने के साथ दवाओं के इंतजाम किए गए हैं।

कूड़े के ढेर से लगी आग, टायर की दुकान में रखा लाखो का माल जला

सीतापुर , एजेंसी। सीतापुर कोतवाली क्षेत्र में सोमवार सुबह एक टायर की दुकान में आग लग गई। बताया जा रहा है कि दुकान के पास एक कूड़े का ढेर जल रहा था। इसी से दुकान में आग लग गई। आग लग जाने से टायर की दुकान में लाखो रुपये के रखे टायर जल गये। सूचना पर आई दमकल ने आग पर काबू पाया। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला इनलिया तिलकापुर निवासी कदीर बेग की रामकुंड चौराहा के पास टायर की दुकान है। सोमवार सुबह करीब सात बजे दुकान के पीछे पड़े कूड़े से आग लग गयी। जिससे धीरे धीरे आग की लपटो ने टायर की तीन दुकानों को लपेटे मे ले लिया। सूचना पाकर आई दमकल के प्रभारी मो मुस्तफ़ा ने करीब एक घंटे की कड़ी मेहनत के बाद आग पर काबू पाया। वही सूचना पाकर कस्बा इंचार्ज दीपक राठौर, नगर पालिका सफाई निरीक्षक रामनरेश मौक़े पर पहुंचे। नगर पालिका से पानी टैंक मंगवाया।

आजाद समाज पार्टी का प्रदर्शन

लखनऊ , एजेंसी। मथुरा में अनुसूचित जाति की लड़की के साथ हुई घटना और सांसद चंद्रशेखर पर हुए हमले को लेकर आजाद समाज पार्टी और भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं ने लखनऊ में प्रदर्शन किया। कल चंद्रशेखर को वाराणसी में रोका गया था। आज सुरक्षा के लिए परिवर्तन चौक से लेकर हजरतगंज चौराहे तक का पुलिस फोर्स तैनात है। प्रदर्शन को देखते हुए रविवार रात से ही पुलिस ने आसपा के कार्यकर्ताओं की धरपकड़ शुरू कर दी थी और चारबाग, चौक और हजरतगंज इलाके में बैरिकेडिंग लगाकर कार्यकर्ताओं को रोका। सुरक्षा के लिए भारी संख्या में आरएएफ, पीएसी और आरआरएफ जवानों व पुलिस फोर्स की तैनाती की गई है। प्रदर्शन के कारण शहर के कई इलाकों में जाम लग गया।

अक्षय तृतीया पर होगी 16 मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा, अप्रैल में मंदिर निर्माण होगा पूरा

अयोध्या, एजेंसी। राम जन्मभूमि परिसर के लिए जयपुर में बन रही 16 मंदिरों की मूर्तियां तैयार हो गई हैं। अप्रैल के अंत तक सभी मूर्तियां जयपुर से अयोध्या पहुंच जाएंगी। माना जा रहा है कि अक्षय तृतीया (30 अप्रैल) पर सभी मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा एक साथ की जाएगी। वहीं राम दरबार की मूर्तियों का प्राण प्रतिष्ठा रामनवमी यानी 30 मार्च से पहले किए जाने की तैयारी है।

राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि राम जन्मभूमि परिसर में राम मंदिर के अलावा 16 और मंदिर बन रहे हैं। इन सभी मंदिरों की मूर्तियां जयपुर राजस्थान में तैयार हो रही है। इनमें से एक मूर्ति तुलसीदास की स्थापित भी हो चुकी है, शेष मूर्तियां 15 अप्रैल से 25 अप्रैल के बीच अयोध्या पहुंच जाएंगी। बताया कि परकोटा के छह मंदिरों की मूर्तियां व सप्त मंडपम के सात मंदिरों की मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा एक साथ होगी। इसके लिए ट्रस्ट अक्षय तृतीया (30 अप्रैल) की तिथि निर्धारित कर सकता है। यह निर्णय 16 मार्च को होने वाली राम मंदिर न्यास की बैठक में लिया जाएगा।

15 अप्रैल तक पूरा हो जाएगा राम मंदिर

मंदिर निर्माण सीमित के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि राम मंदिर का निर्माण 15 अप्रैल तक पूरा कर लिया जाएगा। राम मंदिर के शिखर का निर्माण करीब 80 प्रतिशत पूरा कर लिया गया है। इसके बाद शिखर के ऊपर ध्वज दंड स्थापित किया जाएगा। मालूम हो कि महाकुंभ में आने वाली भीड़ की वजह से भी मंदिर निर्माण की प्रक्रिया में कुछ सुस्ती आई थी।

दिसंबर में खत्म होगा निर्माण समिति का कार्यकाल

नृपेंद्र ने बताया कि राम मंदिर का निर्माण तीन माह पीछे हुआ है। इसको गति प्रदान करने का कार्य किया जा रहा है। कहा कि उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर जो निर्माण समिति गठित की गई है, उसका कार्यकाल भी दिसंबर 2025 तक पूरा हो जाएगा। रामकथा संग्रहालय के निर्माण कार्य की प्रगति के बारे में बताया कि यहां 20 गलियारों का निर्माण चल रहा है। इसके लिए ट्रस्ट ने एक कंसल्टेंट भी नियुक्त कर दिया है। रामकथा संग्रहालय के सुंदरीकरण के कार्य में एक साल लग जाएगा।

प्रार्थना सभा की आड़ में धर्म परिवर्तन कराने का मामला आया सामने, मौके पर पहुंची पुलिस

अमेठी, एजेंसी। अमेठी के पालपुर कस्बे में प्रार्थना सभा की आड़ में धर्म परिवर्तन कराने का मामला रविवार को सामने आया है। स्थानीय लोगों की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने एक मकान में छापा मारा। मौके से धर्म परिवर्तन से संबंधित कई पुस्तकें, दस्तावेज और अन्य सामग्री भी जब्त की गई है।

पालपुर कस्बे के एक मकान में प्रार्थना सभा के नाम पर 100 से अधिक महिला पुरुष जमा हुए थे। किसी ने धर्म परिवर्तन की सूचना हिन्दू धर्म संगठन और पुलिस को दे दी। जानकारी पर सीओ मुसाफिरखाना अतुल सिंह, तहसीलदार मुसाफिरखाना राहुल सिंह, नायब तहसीलदार मुसाफिरखाना प्रशांत सिंह व प्रभारी निरीक्षक धीरेंद्र कुमार यादव फोर्स संग मौके पहुंचे। घर के भीतर जाकर देखा तो छत पर बड़ी संख्या में आस पास गांवों के महिला पुरुष बच्चे मौजूद मिले। ईसाई धर्म से जुड़ी पुस्तकें, डायरी, पैंपलेट, माइक, डफली सहित ऑडियो सिस्टम सहित कई सामान बरामद हुआ। मकान में मौजूद लोगों से पूछताछ करने के बाद कुछ को घर से तो कुछ को थाने लाने के बाद छोड़ दिया। इसके बाद पुलिस संदिग्ध पांच महिला व एक पुरुष को हिरासत में लेकर जांच में जुटी है। इंस्पेक्टर ने बताया कि संदिग्ध गतिविधियों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि धर्म परिवर्तन एक संगठित तरीके से कराया जा रहा था। हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ भी की जा रही है कि क्या वे स्वेच्छा से धर्म परिवर्तन कर रहे थे या किसी लालच, भय अथवा दबाव में आकर ऐसा कर रहे थे। जांच के बाद मामले में कार्रवाई की जाएगी।

पिकअप की टक्कर से टेंपो चालक की मौत, दो घायल

रामकोला , एजेंसी। क्षेत्र के कप्तानगंज-रामकोला मार्ग स्थित साहबगंज के पास रविवार सुबह करीब दस बजे टेंपो और पिकअप में टक्कर हो गई। टेंपो चालक फेरी लगाकर कपड़े बेचने वालों को कप्तानगंज से लेकर जा रहा था। हद से के बाद सड़क किनारे टेंपो पलट गया। टेंपो चालक समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मौजूद लोगों ने तीनों को कप्तानगंज सीएचसी भेजवाया। हालत गंभीर देख डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार कर तीनों को मेडिकल कॉलेज रविंद्रनगर रेफर कर दिया। रास्ते में टेंपो चालक की मौत हो गई। रामकोला थाना क्षेत्र के बरठा बेलवानिया निवासी 45 वर्षीय संतोष मिश्रा रोज कप्तानगंज में रहकर कपड़ा बेचने वाले मुजफ्फरनगर निवासी बृजेश और मोहम्मद कैफ को लेकर रामकोला की तरफ से आ रहे थे। साहबगंज के पास रामकोला की तरफ से जा रहे तेज रफ्तार पिकअप से आमने-सामने की टक्कर हो गई। टेंपो चालक संतोष मिश्रा और उसमें सवार बृजेश व मोहम्मद कैफ गंभीर रूप से घायल हो गए। मौजूद लोगों ने तीनों घायलों को कप्तानगंज सीएचसी भेजवाया। डॉक्टर ने तीनों घायलों की हालत गंभीर देख मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। वहां जाते समय रास्ते में ही टेंपो चालक संतोष मिश्रा की मौत हो गई, जबकि बृजेश और मोहम्मद कैफ का मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है।

जेपी नड्डा के बाद पीएम मोदी से मिले सीएम, बंद कमरे में एक घंटे तक चली मुलाकात

लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। करीब एक घंटे तक चली मुलाकात के दौरान दोनों के बीच मंत्रिमंडल विस्तार, संगठनात्मक चुनाव आदि अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। योगी ने पीएम से अप्रैल माह में नोएडा स्थित जेवर एयरपोर्ट के उद्घाटन के लिए समय देने का अनुरोध भी किया। सूत्रों की मानें तो पीएम के साथ भेंट के दौरान प्रदेश में प्रस्तावित मंत्रिमंडल विस्तार के साथ पार्टी के नए प्रदेश अध्यक्ष के नामों पर भी मंथन हुआ। बता दें कि सीएम योगी ने शनिवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से भी मुलाकात की थी। जिसके बाद पीएम से मुलाकात को सरकार और संगठन में बदलावों पर सहमति बनाने के रूप में देखा जा रहा है। पार्टी सूत्रों की मानें तो होली के बाद संभावित मंत्रिमंडल विस्तार में 6 नए चेहरों को जगह दी जा सकती है। वहीं कुछ वर्तमान मंत्रियों को संगठन में भेजा जा सकता है तो कुछ के विभागों का बदलाव होना तय माना जा रहा है। इस विस्तार में ओबीसी और दलित नेताओं को जगह देकर सपा के पीडीए को भी जवाब देने की कवायद हो सकती है। वहीं भाजपा के सांगठनिक चुनाव के तहत जिलाध्यक्षों की सूची जारी होने के साथ नए प्रदेश अध्यक्ष को भी चुना जाना है। चर्चा है कि पीएम ने इन सभी मुद्दों पर सीएम की राय जानी और अहम निर्देश दिए। इस मुलाकात के बाद संगठन और सरकार में जल्द बदलाव पर मुहर लग सकती है।

होली पर छाएंगे बदरा... रंगों संग बारिश के आसार, बरेली समेत आसपास के जिलों में बदलेगा मौसम

बरेली , एजेंसी। इस बार होली पर मौसम का प्रभाव भी देखने को मिलेगा। बादल छाएंगे और बारिश भी हो सकती है। मौसम विभाग ने 13 व 14 मार्च को मौसम में बदलाव का अनुमान जताया है। यही नहीं इससे ठंडक भी दोबारा लौट सकती है।

मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार ने बताया कि इस समय पूर्व उत्तर दिशा की ओर से हवाएं चल रही हैं। इस वजह से दिन के तापमान में वृद्धि हो रही है, लेकिन आने वाले दिनों में बारिश की संभावना जताई जा रही है। ऐसे में तापमान में फिर से गिरावट हो सकती है। वैसे मौसम में ये बदलाव नया नहीं है। बरेली समेत आसपास के जिलों में लगातार मौसम बदल रहा है।

फरवरी के अंत में बारिश के बाद ठंड लौटी थी। उसके बाद से दिन में तेज धूप तो रात में सर्द हवाएं चल रही हैं। रविवार को शहर का अधिकतम तापमान 30.6 व न्यूनतम तापमान 13.5 दर्ज किया गया। मार्च माह में पहली बार रविवार को तापमान 30 डिग्री दर्ज किया गया है। लोगों को लग रहा था कि अब ये गर्मी बढ़ेगी और होली में मौसम सामान्य रहेगा, लेकिन एक बार बारिश के आसार से आम लोगों का आकलन गड़बड़ा सकता है।

बदलते मौसम में बढ़ रही बीमारियां

वहीं, इस बदलते मौसम की वजह से लोगों में बीमारियां भी बढ़ती जा रही हैं। वायरल फीवर, खांसी, शरीर में दर्द के मरीज अस्पताल पहुंच रहे हैं। जिला अस्पताल के डॉ. राहुल वाजपेयी ने बताया कि मौसम बदलने के कारण ओपीडी में मरीजों की संख्या बढ़ी है। उन्होंने लोगों को रहन-सहन व खानपान में सावधानी बरतने की सलाह दी है।

होली-जुमा एक ही दिन होने पर सतर्क रहेगा प्रशासन

एटा, एजेंसी। होली के दिन रमजान माह का जुमा होने पर प्रशासन ने चौकसी बढ़ा दी है। पुलिस और प्रशासन ने दोनों अवसरों पर शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने की तैयारी शुरू कर दी है। अलीगंज कोतवाली में रविवार को शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। एसडीएम विपिन मोरल ने सभी धर्म के लोगों से प्रेम के प्रतीक रंगों के त्योहार होली पर शांति व्यवस्था बनाने को कहा। उन्होंने बताया कि होली के दिन जुमा है। जुमे की नमाज के लिए दोपहर 2 बजे का समय तय किया गया है। उन्होंने कहा नमाज पढ़ने जा रहे मुस्लिम धर्म के लोगों पर रंग डालने से बचें। सीओ सुधांशु शेखर, थाना प्रभारी निर्दोष कुमार, पूर्व पालिकाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता, बसपा नेता जुनैद मियां, व्यापार मंडल के अध्यक्ष विनोद आर्य, सूर्यकांत गुप्ता, मोहम्मद उमान, मोहम्मद उवैश आदि मौजूद रहे।

अंसल के खिलाफ 11 और एफआईआर

तीन साल पहले शुरू हुई थी ईडी की जांच, फिर कर दी गई थी बंद

लखनऊ , एजेंसी। अंसल कंपनी के खिलाफ मुकदमों का सिलसिला लगातार जारी है। अब हजरतगंज में एक एवं सुशांत गोल्फ सिटी थाने में 10 और एफआईआर दर्ज की गई हैं। सभी मामलों में पीड़ितों ने कंपनी व कंपनी के लोगों पर धोखाधड़ी व जालसाजी का आरोप लगाया है। अलग-अलग मामलों में अंसल कंपनी, इसके कर्ताधर्ता सुशील अंसल, प्रणव अंसल सहित धीरज सिंह, अभिजीत, सुनील गुप्ता तथा अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमे दर्ज हुए हैं।

अंसल ग्रुप के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय ने तीन वर्ष पहले भी जांच शुरू की थी, जो अचानक ठप हो गई। नतीजतन, निवेशक अपनी जमा पूंजी वापस पाने के लिए भटकते रहे। अब अंसल के खिलाफ दोबारा कई मुकदमे दर्ज करने का सिलसिला शुरू होने पर ईडी में भी पुरानी फाइल को खंगाला जा रहा है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि जांच को किसी आधार पर ठंडे बस्ते में डाल दिया गया

था और इसके पीछे किन अधिकारियों की भूमिका थी। बता दें कि अंसल ग्रुप के खिलाफ पुलिस में दर्ज शिकायतों के बाद राजधानी स्थित ईडी के जोनल कार्यालय ने भी पड़ताल शुरू की थी। ईडी के तत्कालीन अधिकारियों ने लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट समेत पांच राज्यों में अंसल के खिलाफ दर्ज मुकदमों का ब्योरा भी जुटा लिया था। जिसके बाद मुकदमों में हुई कार्यवाहियों के बारे में भी जानकारी तलब की थी। सूत्रों की मानें तो ईडी के निशाने पर एक पूर्व आईएएस और अंसल ग्रुप के तत्कालीन एमडी थे, जिन्हें पूछताछ के लिए नोटिस भी भेजा गया था। इसके अलावा अंसल ग्रुप में 150 करोड़ रुपये निवेश करने वाले एक एनआरआई भी ईडी जांच के दायरे में आ गए थे। हालांकि अचानक पूरी जांच प्रक्रिया ठप हो गई, जिससे निवेशक ठगे रहे गए।

इन राज्यों में दर्ज हुए थे मुकदमे

अंसल प्रॉपर्टीज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के खिलाफ यूपी के अलावा पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली में 59 मुकदमे दर्ज होने की जानकारी ईडी को दी गई थी। उस दौरान केवल लखनऊ में ही अंसल के खिलाफ निवेशकों ने धोखधड़ी करने के 27 मुकदमे दर्ज कराए थे। इसके अलावा आगरा व मेरठ में 6-6, गाजियाबाद में 2, कानपुर व जौनपुर में 1-1, जालंधर में 2, सोनीपत व गुरुग्राम में 1-1, दिल्ली में 6, दिल्ली पुलिस की ईओडब्ल्यू में 2, राजस्थान के कुंदननगर में 2, बीकानेर में एक मुकदमा दर्ज हुआ था।

थानों-तहसील में भ्रष्टाचार के विरुद्ध तेज की जाएगी जंग

एटा , एजेंसी। भारतीय किसान यूनियन (किसान) ने रविवार को शांतिनगर स्थित एक रेस्तरां में बैठक की। थानों, तहसील में भ्रष्टाचार के विरुद्ध जंग तेज करने की रणनीति तैयार की। जिलाध्यक्ष राजेंद्र सिंह ने कहा कि भूमि अधिग्रहण के मुआवजे के कई मामले लंबित हैं। इसको प्राथमिकता से निपटाने के लिए अधिकारियों से लगातार वार्ता की जा रही है। खाद-बीज पर महंगाई दिनों दिन तेजी से बढ़ रही है, जो चिंता का विषय है। हमारा देश कृषि आधारित है। देश की सारी व्यवस्थाएं कृषि पर निर्भर करती हैं। उन्होंने कासगंज रोड पर औद्योगिक इकाइयों से फैल रहे प्रदूषण का मुद्दा भी उठाया। प्रशासन से इस पर तत्काल नियंत्रण लगाए जाने की मांग की। कार्यवाहक जिलाध्यक्ष अनिल प्रताप सिंह ने कहा कि थानों और तहसीलों में भ्रष्टाचार बड़े स्तर पर चल रहा है। इसका सबसे अधिक शिकार किसान ही हो रहे हैं। पूरी रणनीति के साथ इससे संघर्ष के लिए लड़ाई लड़ी जाएगी। मंडल उपाध्यक्ष अजय वर्मा, जिला महासचिव जयवीर सिंह, प्रचार मंत्री संजय यादव, जिला मीडिया प्रभारी अनुज मिश्रा, मुन्नालाल, सुरेश चंद्र, केपी सिंह जादौन आदि पदाधिकारी मौजूद रहे। संचालन कशिश एटवी ने किया।

सीएम डैशबोर्ड एवं आईजीआरएस पोर्टल पर रैंकिंग को लेकर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा गंभीर

फ्यूचर लाइन टाईम्स गौतम बुद्ध नगर : राजस्व एवं विकास कार्यों को गति प्रदान करने एवं सीएम डैशबोर्ड पर सभी विकास कार्यों व योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट शत प्रतिशत फीड कराने के उद्देश्य से आज डीएम मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट के सभागार में सीएम डैशबोर्ड एवं सीएमआईएस पोर्टल पर विभागों की प्रगति को लेकर जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक संपन्न हुई। उन्होंने सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा बैठक करते हुए ऐसे सभी विभाग के अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए जिनकी सीएम डैशबोर्ड पर रैंकिंग अच्छी नहीं है। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों से कहा कि अपने-अपने विभागों में संचालित योजनाओं में निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप लक्ष्य प्राप्ति करते हुए प्रगति सीएम डैशबोर्ड पर शत प्रतिशत फीड करायें एवं सीएम डैशबोर्ड की रैंकिंग में शीर्ष स्थान प्राप्त करने हेतु विशेष प्रयास सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सीएम डैशबोर्ड की मॉनिटरिंग शासन स्तर पर निरंतर होती है और डैशबोर्ड की रिपोर्ट के आधार पर ही जनपदों की रैंकिंग तय की जाती है, इसलिए अधिकारीगण इसकी महत्ता को समझते हुए अपने-अपने विभागों में क्रियान्वन योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति रिपोर्ट सीएम डैशबोर्ड पोर्टल पर शत प्रतिशत अपलोड करें, ताकि सीएम डैशबोर्ड की रैंकिंग में जनपद को शीर्ष स्थान प्राप्त हो सके। उन्होंने जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी को निर्देशित किया कि सीएम डैशबोर्ड पर जिन जिन विभागों की रैंकिंग खराब चल रही है उनकी विरुद्ध पत्राचार करते हुए शासन को पत्र प्रेषित किया जाए। जिलाधिकारी ने सभी विभागों के अधिकारियों को कहा कि वह प्रतिदिन सीएम डैशबोर्ड की मॉनिटरिंग करें और अपने विभागों की योजनाओं के क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारीगण सीएम डैशबोर्ड को बहुत ही गंभीरता से ले और जो भी डाटा सीएम डैशबोर्ड पर फीड किया जा रहा है, उसकी एक बार जांच जरुर कर लें और सही डाटा ही पोर्टल पर फीड करें, क्योंकि सीएम डैशबोर्ड की माननीय मुख्यमंत्री व मुख्य सचिव के द्वारा समीक्षा की जाती है। जिलाधिकारी ने बैठक में राजस्व विभाग, स्टाम्प विभाग, परिवहन विभाग, जी0एस0टी0 विभाग, बाट माप विभाग, आबकारी विभाग, खनन विभाग, खाद्य एवं रसद विभाग, ऊर्जा विभाग, उद्यान विभाग, कृषि विभाग, ग्राम्य विकास विभाग, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, दुग्ध विकास विभाग, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, पंचायती राज विभाग, जल निगम, पर्यटन विभाग, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, प्राथमिक शिक्षा विभाग, पशुधन विभाग, पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, मत्स्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, माध्यमिक शिक्षा विभाग, लोक निर्माण विभाग, व्यवसायिक शिक्षा कौशल विकास एवं उद्यमिता विभाग, श्रम एवं सेवायोजन, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग, समाज कल्याण विभाग, सहकारिता विभाग, सिंचाई, जल संसाधन विभाग, आपदा विभाग आदि विभागों के विकास कार्यों एवं योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विभागीय अधिकारीगण शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप लक्ष्य की पूर्ति करने की कार्यवाही सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को यह भी कहा कि यदि किसी भी अधिकारी को कोई समस्या हो वह मुख्य विकास अधिकारी व जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी से समन्वय स्थापित करते हुए त्रुटि रहित डाटा फीडिंग करायें। सीएम डैशबोर्ड पर डाटा फीडिंग न करने वाले या गलत डाटा फीड करने वाले विभागीय अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। साथ ही जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों से कहा कि वित्तीय वर्ष समाप्ति की ओर है, इसलिए सभी अधिकारी गण निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप अपने-अपने विभाग की योजनाओं एवं कार्यक्रमों में प्रगति सुनिश्चित करें।

तीन दिवसीय प्रदेश स्तरीय ओपन स्टेट सीनियर पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता मेरठ और जनपद वाराणसी के बीच फाइनल सम्पन्न

फ्यूचर लाइन टाईम्स-गौतम बुद्ध नगर : उप जिला क्रीड़ा अधिकारी गौतम बुद्ध नगर अनीता नगर ने बताया कि खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश और जिला खेल कार्यालय गौतम बुद्ध नगर के तत्वाधान में तीन दिवसीय प्रदेश स्तरीय ओपन स्टेट सीनियर पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता में जनपद मेरठ और जनपद वाराणसी के बीच फाइनल मैच खेला गया, जिसमें मेरठ ने वाराणसी को 13 पॉइंट से पराजित किया। जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा एवं उत्तर प्रदेश कबड्डी संघ महासचिव राजेश कुमार यादव दोनों ही अतिथियों के संयुक्त रूप से विजेता और उपविजेता टीमों के खिलाड़ियों को ट्रॉफी ट्रैकसूट मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना भी की गई। इसी के साथ प्रतियोगिता में उपस्थित रहे जिला क्रीड़ा अधिकारी लक्ष्यराज त्यागी, उप जिला क्रीड़ा अधिकारी अनीता नागर, जिला कबड्डी संघ जितेंद्र नागर, श्याम वीर विधूड़ी, बालचंद नागर, विजय किशोर निम्स हॉस्पिटल, डॉ॰ परवेज अली जूडो कोच, ज्योति नागर बॉक्सिंग कोच, सुमित कुमार कबड्डी कोच, शिलांकुर नेटबाल कोच, देवेंद्र कौशिक कार्यालय सहायक उपस्थित रहे। आयोजित कार्यक्रम के अंत में लक्ष्यराज त्यागी द्वारा सभी का अभिवादन व्यक्त किया गया और उप जिला क्रीड़ा अधिकारी अनीता नगर जी द्वारा सभी का धन्यवाद दिया गया।

होशियारपुर ने जीती नोएडा ग्रामीण कप ट्रॉफी

फ्यूचर लाइन टाईम्स-गौतम बुद्ध नगर :नोएडा। ग्रेनो वेस्ट में खेले गए नोएडा ग्रामीण कप सीजन-2 के फाइनल मुकाबले में होशियारपुर ने पर्थला तीन विकेट से पराजित कर ट्रॉफी पर कब्जा किया। रेड डेविल्स के संचालक अर्पित चतुवेर्दी ने बताया कि टूनार्मेंट में 24 गांवों की टीमों ने हिस्सा लिया। पर्थला ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 10 ओवर में नौ विकेट के नुकसान पर 45 रन बनाए। लक्ष्य को हासिल करने उतरी होशियारपुर की टीम ने दसवें ओवर में 47 रन बनाकर मैच जीत लिया। मैन ऑफ द मैच अजय रहे। पर्थला टीम के नमन चौहान मैन ऑफ द सीरीज रहे। मुख्य अतिथि बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने विजेता टीम को इनामी राशि देकर सम्मानित किया।

नोएडा की लोटस ग्रीन्स के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई न की जाए : न्यायालय

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। उच्चतम न्यायालय ने अनियमितताओं के मामले में बिल्डर लोटस ग्रीन्स की नोएडा स्थित परियोजना के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति राजेश बिंदल की पीठ ने डेवलपर द्वारा दायर याचिका पर उत्तर प्रदेश सरकार और अन्य को नोटिस जारी किया। पीठ ने सात मार्च के आदेश में कहा, नोटिस जारी करें। इस बीच, कार्यवाही जारी रहेगी, लेकिन कोई दंडात्मक कदम नहीं उठाया जाएगा। लोटस ग्रीन कंस्ट्रक्शन द्वारा इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दिए जाने के बाद शीर्ष अदालत का यह आदेश आया। 24 फरवरी को, उच्च न्यायालय ने नियमों के उल्लंघन के लिए डेवलपर की स्पोर्ट्स सिटी परियोजना से संबंधित मामले में सीबीआई जांच का आदेश दिया था।उच्च न्यायालय ने सीबीआई को मिलीभगत करने वाले नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों और परियोजना के आवंटन, विकास, मंजूरी में शामिल आर्वटियों या बिल्डरों और ऐसे किसी भी अन्य व्यक्ति के खिलाफ शिकायत दर्ज करने का निर्देश दिया, जिनकी मामले में संलिप्तता हो सकती है। नोएडा प्राधिकरण को भी निर्देश दिया गया था कि वह एक सप्ताह के भीतर सभी हितधारकों को नोटिस जारी कर ब्याज और जुमार्ने सहित बकाया राशि का पूरा भुगतान करने को कहे।उच्चतम न्यायालय के आदेश पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए लोटस ग्रीन्स के प्रवक्ता ने कहा, ह्यह्यकंपनी को माननीय उच्चतम न्यायालय पर पूरा भरोसा है। हमें उम्मीद है कि उच्चतम न्यायालय के हस्तक्षेप से कंसोर्टियम के भागीदारों और उनके घर खरीदारों को बहुप्रतीक्षित न्याय मिलेगा। नोएडा के सेक्टर 150 में स्पोर्ट्स सिटी परियोजना जून 2014 में शुरू की गई थी, जो 12 लाख वर्गमीटर में फैली हुई है।

यमुना एक्सप्रेस-वे टोल को लेकर किसानों की चेतावनी

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। भारतीय किसान यूनियन (चढूनी) के सैकड़ों कार्यकताओं ने आज एसडीएम जेवर को ज्ञापन सौंपा। प्रदेश प्रभारी सूबे सिंह डागर के संरक्षण में जिलाध्यक्ष गौतम बुद्ध नगर इरफान प्रधान और जिलाध्यक्ष बुलंदशहर विष्णु चौधरी के नेतृत्व में यह ज्ञापन दिया गया।

युवा जिला अध्यक्ष अनुज नागर ने कहा कि यमुना एक्सप्रेसवे पर किसानों और स्थानीय लोगों का उत्पीड़न हो रहा है। रबूपुरा मेहंदीपुर के किसानों को जेवर तहसील में खसरा खतौनी कार्य के लिए टोल देना पड़ता है। जेवर और जहांगीरपुर क्षेत्र के लोगों को मथुरा-वृंदावन के मंदिरों में दर्शन के लिए जेवर से नोएडा तक का टोल देना पड़ता है।संगठन ने कई बार टप्पल तक सर्विस रोड बनाने की मांग की है। सहमति के बावजूद यह काम अभी तक पूरा नहीं हुआ है। एसडीएम के माध्यम से यमुना एक्सप्रेसवे प्रशासन को चेतावनी दी गई है। अगर 16 मार्च तक इन समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, तो स्थानीय किसान भारतीय किसान यूनियन (चढूनी) के बैनर तले अनिश्चितकालीन धरना देंगे। कार्यक्रम में सोनपाल चौहान, डॉ. राजकुमार, प्रदीप चौधरी, डॉ. उमर मोहम्मद, मोनू कसाना, मास्टर राशिद, अशोक अत्री समेत कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

एमएसएमई कार्यालय में जीएसटी अधिकारियों ने एमनेस्टी में पंजीकरण के लिए उद्यमियों को किया उत्साहित

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। नोएडा में मंगलवार को एमएसएमई कार्यालय में जीएसटी से संबंधित बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जीएसटी खंड सात के तहत 156 उद्यमियों और व्यापारियों को एमनेस्टी योजना का पात्र होने की बात सामने आई। इस योजना के तहत उन व्यापारियों को राहत दी जा रही है, जिन पर कम बकाया है और जिन्हें विभिन्न कारणों से जीएसटी के भुगतान में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। बैठक में बताया गया कि इनमें से 51 मामले ऐसे हैं जिन पर महज 8,000 रुपये का बकाया है। कई मामलों में तो बकाया राशि इससे भी कम है। इस स्थिति को देखते हुए अधिकारियों ने व्यापारियों और उद्यमियों को पोर्टल पर पंजीकरण करने की सलाह दी, ताकि वे इस योजना का लाभ उठा सकें और अपने बकाए का निपटारा आसानी से कर सकें। एमनेस्टी योजना का उद्देश्य व्यापारियों को जीएसटी से संबंधित लंबित मामलों में राहत प्रदान करना है, ताकि वे बिना किसी दंड के अपनी बकाया राशि चुका सकें। अधिकारियों ने बताया कि इस योजना का फायदा उठाकर व्यापारी अपनी समस्याओं का समाधान कर सकते हैं और भविष्य में ऐसी स्थितियों से बचने के लिए आवश्यक कदम उठा सकते हैं। बैठक में एमएसएमई विभाग के अधिकारियों ने व्यापारियों को योजना के तहत पंजीकरण के लिए पोर्टल पर जाने की प्रक्रिया के बारे में भी विस्तार से

"नो हेलमेट नो फ्यूल" पॉलिसी का जनपद में शत प्रतिशत पालन कराने हेतु अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने पेट्रोल पंप संचालकों के साथ की बैठक

फ्यूचर लाइन टाईम्स-गौतम बुद्ध नगर : दो पहिया वाहन चालकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए शासन द्वारा संचालित "नो हेलमेट नो फ्यूल पॉलिसी" का जनपद में शत प्रतिशत पालन सुनिश्चित हो सके इस उद्देश्य से आज जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के निदेशों के क्रम में अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे के अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में पेट्रोल पंप संचालकों के साथ बैठक संपन्न हुई। इस महत्वपूर्ण बैठक में पेट्रोल पंप संचालकों द्वारा अपर जिलाधिकारी को अवगत कराया गया कि पेट्रोल पंपों पर नो हेलमेट नो फ्यूल पॉलिसी का पालन सुनिश्चित कराया जा रहा है, परंतु कुछ स्थानीय लोगों द्वारा पेट्रोल पंप पर सेल्समैन द्वारा बिना हेलमेट के फ्यूल देने पर मना करने पर उनके साथ अभद्रता व मारपीट की जाती है, जिसके संबंध में अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देशित किया कि इस संबंध में ट्रैफिक पुलिस को पत्र प्रेषित किया जाए कि वह अपने-अपने क्षेत्र के पेट्रोल पंपों पर नो "हेलमेट नो फ्यूल पॉलिसी" का पालन कराने में सहयोग करें और सेल्समेनों के साथ मारपीट व अभद्रता करने वाले असामाजिक तत्त्वों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करें। अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने संबंधित विभागों के अधिकारियों से यह भी कहा कि नो हेलमेट नो फ्यूल पॉलिसी के संबंध में व्यापक प्रचार प्रसार भी कराया जाए, ताकि लोग स्वतः जागरूक बन सके और वह दो पहिया वाहन चलाते समय हमेशा हेलमेट का प्रयोग करें।

इस महत्वपूर्ण बैठक में जिला पूर्ति अधिकारी ओम हरि उपाध्याय, क्षेत्रीय पूर्ति अधिकारी बृजेश पाल, अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी गण तथा पेट्रोल पंप संचालक उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश के युवाओं को मिलेगा संसद में जाने का मौका, जानिए कैसे होगा चयन?

फ्यूचर लाइन टाईम्स-गौतम बुद्ध नगर । 11/03/2025 भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, द्रोणाचार्य ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस नॉलेज पार्क ग्रेटर नोएडा के संयुक्त तत्वधान में विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट 2025 का आयोजन किया जा रहा है, जो युवाओं को राष्ट्र निर्माण से जुड़े विचारों को नीति निमार्ताओं तक पहुंचाने का अनूठा मंच प्रदान करता है। यह कार्यक्रम युवाओं को नीतिगत चचाओं, नेतृत्व विकास और नवाचार को प्रोत्साहित करने का अवसर देगा।

आयु सीमा-इस कार्यक्रम में गौतमबुद्धनगर जनपद के 18 से 25 वर्ष की आयु के युवा भाग ले सकते हैं।

पंजीकरण की अंतिम तिथि 16 मार्च 2025 निर्धारित की गई है। इच्छुक प्रतिभागियों को 'विकसित भारत हमारे लिए क्या मायने रखता है' विषय पर हिंदी अथवा अंग्रेजी में एक मिनट का वीडियो बनाकर माय भारत पोर्टल पर https://myb-harat.gov.in/pages/event_detail?event_name=VIKSIT-BHARAT-YOUTH-PARLIAMENT-DISTRICT-NODAL-LEVEL-Gautam-Buddha-Nagar&key=608101271608 अपलोड करना होगा।

द्रोणाचार्य कालेज की निदेशक डॉ अर्पिता गुप्ता ने बताया कि इस प्रक्रिया के तहत 150 युवाओं को जिला स्तरीय यूथ पार्लियामेंट में शामिल होने का अवसर मिलेगा, जिसका आयोजन नोडल जनपद गौतमबुद्धनगर में किया जाएगा जिसमें गौतमबुद्धनगर, बागपत और गाजियाबाद जनपद के युवा शामिल होंगे।

यहां से 10 विजेता राज्य स्तरीय यूथ पार्लियामेंट के लिए चयनित होंगे और उनमें से तीन सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागी राष्ट्रीय स्तर पर नई दिल्ली में उत्तर प्रदेश राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे।

राष्ट्रीय स्तर के प्रतिभागियों को संसद में आयोजित विशेष सत्रों में भाग लेने और नीति-निर्माण प्रक्रिया को करीब से समझने का अवसर मिलेगा। यह अनुभव न केवल युवाओं के चिंतन और अभिव्यक्ति कौशल को निखारेगा, बल्कि उन्हें राष्ट्रीय विकास में योगदान देने की प्रेरणा भी देगा। अगर आप भारत के विकास में योगदान देने और अपने विचारों को प्रभावशाली मंच पर प्रस्तुत करने का सपना देखते हैं, तो यह आपके लिए एक शानदार अवसर है।

पंजीकरण शीघ्र करें तथा अपने साथियों को भी पंजीकरण करने के लिए प्रेरित करें और राष्ट्र निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें!

विकास भवन के सभागार में उत्तर प्रदेश कृषि निर्यात नीति 2019 को लेकर गठित जनपद स्तरीय कलस्टर सुविधा इकाई की बैठक आहुत

फ्यूचर लाइन टाईम्स-गाजियाबाद : उत्तर प्रदेश कृषि निर्यात नीति 2019 के अर्न्तगत गठित जनपद स्तरीय कलस्टर सुविधा इकाई की बैठक विकास भवन सभागार में मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में आहुत की गई। बैठक में उप कृषि निदेशक, जिला उद्यान अधिकारी, डीडीएम नाबार्ड, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी आदि के अलावा जनपद के प्रगतिशील एफपीओ ओएस शुगरकेन भोजपुर, प्रोडयूसर कंपनी एवं इनविक्टस फार्मर प्रोडयूसर कंपनी द्वारा प्रतिभाग किया गया। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल ने गोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि जनपद में कृषि निर्यात की अपार संभावनाओं पर जोर देते हुए ज्यादा से ज्यादा कृषकों के कलस्टर बनाए जाने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि ज्यादा से ज्यादा कृषकों व अन्य हितधारकों को नीति के बारे में अवगत कराया जाए। बैठक में जनपद स्तरीय कलस्टर सुविधा इकाई की सदस्य एवं सचिव योगिता द्वारा उत्तर प्रदेश कृषि निर्यात नीति 2019 के प्रोत्साहनों एवं नीति का विस्तृत प्रस्तुतिकरण किया गया। उन्होंने बताया कि नीति के सफल क्रियान्वयन के लिए कृषकों द्वारा कलस्टर निर्माण पर प्रोत्साहन राशि प्राप्त की जा सकती है।

केमिस्ट शॉप खुलवाने और अस्पताल में एमडी का पद देने के नाम पर ठगी

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। नोएडा में एक व्यक्ति से 1 करोड़ 25 लाख रुपये का फजीर्वाड़ा करने का मामला सामने आया है। केमिस्ट शॉप खुलवाने का ऑफर देकर 20 लाख रुपये ले लिए और अस्पताल में एमडी का पद देने के नाम पर यह फ्रॉड किया गया है। इस मामले में तीन नामजद और छह अज्ञात के खिलाफ अदालत के आदेश पर थाना सेक्टर-113 में रिपोर्ट दर्ज हुई है। आरोपियों में दो डॉक्टर भी शामिल हैं।

सेक्टर-122 स्थित एमडी सिटी अस्पताल के धीरज गहलौत ने पुलिस को शिकायत दी। बताया कि वर्ष 2022 में डॉक्टर रवि और डॉक्टर रंजीत वर्मा ने अपने आप को एमडी सिटी अस्पताल एलएलपी का मालिक बताया और मेडिकल स्टोर खोलने का प्रस्ताव दिया। इसके लिए धीरज को 20 लाख रुपये जमा करने को कहा गया। दोनों की बातों में आकर शिकायतकर्ता ने उनके तरफ से बताए गए खाते में 20 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। मेडिकल स्टोर खुलवाने का लिखित अनुबंध करने का आश्वासन देने के बाद भी वे दोनों अपने वादे से मुकर गए। उन्होंने 40 लाख रुपये लेकर केमिस्ट शॉप गैलेक्सी फॉर्मा को दे दी। इसके बाद शिकायतकर्ता ने जब दोनों डॉक्टरों से अपने पैसे वापस मांगे, तो रंजीत वर्मा ने आश्वासन दिया कि भुगतान की गई धनराशि में से डॉक्टर रवि के शेयर का भुगतान कर दिया जाएगा। आरओसी में डॉक्टर रवि का नाम हटवाकर शिकायतकर्ता का नाम जुड़वा दिया जाएगा।डॉक्टर रंजीत वर्मा ने शिकायतकर्ता से इस दौरान यह भी कहा कि नए समझौते के मुताबिक डॉक्टर रवि आसानी से समझौते नामे पर हस्ताक्षर नहीं करेंगे। इसके लिए पहले संदीप वर्मा का नाम और बाद में शिकायतकर्ता का नाम जुड़वाने की बात कही गई। शिकायतकर्ता से अस्पताल में हिस्सेदारी दिलाने के नाम पर अलग अलग तिथियों में सवा करोड़ रुपये लिए गए। शिकायतकर्ता को 51 प्रतिशत का हिस्सेदार बनाने का सौदा हुआ था, हालांकि उसे 49 प्रतिशत का ही हिस्सेदार बनाया गया।

हत्या कराने की धमकी

डॉक्टर रवि और रंजीत ने सुनियोजित योजना के तहत शिकायतकर्ता का नाम बैंक में नहीं जोड़ा। एकल हस्ताक्षर कर धनराशि निकाली जाने लगी और यहीं से गबन और ठगी की शुरूआत हुई। शिकायतकर्ता ने जब अस्पताल के आय और व्यय का हिसाब मांगा तो उसके साथ गाली-गलौज की गई। नामजद आरोपियों ने शिकायतकर्ता के अस्पताल आने पर हत्या करवाने की धमकी दी।

डॉक्टर का आपराधिक इतिहास

शिकायतकर्ता का दावा है कि डॉक्टर रंजीत का आपराधिक इतिहास भी है। डाक्टर रंजीत पर बिना डिग्रीधारक डॉक्टरों की टीम बनाकर अस्पताल में इलाज के नाम धोखाधड़ी करने का भी आरोप है। शिकायतकर्ता का यह भी आरोप है कि बीते साल सेटलमेंट के लिए डॉक्टर रंजीत ने उसे नोएडा बुलाया। यहां रंजीत की तरफ से बुलाए गए हथियारबंद और नकाबपोश बदमाशों ने शिकायतकर्ता को बंधक बनाकर कई दस्तावेज पर हस्ताक्षर करा लिए। थाना पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

देश में पहली बार मनाया जाएगा मनु व मनुस्मृति महोत्सव 2025

फ्यूचर लाइन टाईम्स- ग्रेटर नोएडा : आगामी 4 ,5, 6 अप्रैल को गुरुकुल सिकंदराबाद में पूरी भव्यता के साथ मनु महोत्सव का आयोजन जनपद गौतम आर्य प्रतिनिधि सभा जनपद गौतम बुद्ध नगर के तत्वावधान में आयोजित किया जाएगा।

आर्य प्रतिनिधि सभा जनपद गौतम बुद्ध नगर के प्रधान डॉक्टर राकेश कुमार आर्य ने इस संदर्भ में बातचीत करते हुए हमें बताया कि महर्षि मनु के बारे में भ्रांत धारणाएं फैलाकर लोगों ने भारत हिंदू समाज को काटने का काम किया है। जबकि कुछ लोगों ने मनुस्मृति में मिलावट कर अपना वर्चस्व स्थापित करने के लिए एक वर्ग को उपेक्षित करने का भी काम किया है । ऐसे में आर्य समाज हिंदू समाज के भीतर एकता स्थापित करने के उद्देश्य से प्रेरित होकर अपने इस महानायक के साथ न्याय करने के लिए कमर कस चुका है।

उन्होंने बताया कि आर्य प्रतिनिधि सभा जनपद गौतम बुध नगर इस संघर्ष को आर्य सिद्धांत रक्षक ट्रस्ट के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर लेकर जाएगी। इसके लिए उन सभी आर्य विद्वानों को आमंत्रित किया जाएगा जो महर्षि मनु के वास्तविक स्वरूप के प्रति चिंतित हैं और उसे स्थापित कर भारत और विश्व की व्यवस्था को सुधारने के लिए कुछ करना चाहते हैं। डॉ आर्य ने बताया कि यह सिलसिला अभी आरंभ हुआ है, इसे पूर्णता तक पहुंचाने के लिए समय चाहिए। नए अभियान को नए जोश, नई सोच , नई खोज और नए ओज के साथ स्थापित करने का हर संभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आर्य प्रतिनिधि सभा जनपद गौतम बुद्ध नगर देश के सभी हिंदूवादी संगठनों, उनके प्रमुखों, उनके चिंतकों और राष्ट्रवादी सोच रखने वाले व्यक्तियों का आवाहन करती है कि वह इस अभियान के साथ जुड़कर आर्य प्रतिनिधि सभा गौतम बुद्ध नगर का मनोबल बढ़ाएं। कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए श्री आर्य सागर ने बताया कि इस कार्यक्रम को अनूठा और अद्वितीय बनाने का हर संभव प्रयास किया जाएगा। जिसमें भारतीय सांस्कृतिक गौरव को प्रकट करने वाली विशेष प्रदर्शनी भी आयोजित की जाएगी। हर स्थिति में प्रयास किया जाएगा कि कार्यक्रम से प्रत्येक वर्ग को जोड़ने का अंतरनिहित संदेश पूरे देश में जाए।

इस संबंध में लगभग सवा सौ वर्ष पुरानी संस्था गुरुकुल सिकंदराबाद में आर्य प्रतिनिधि सभा जनपद गौतम बुद्ध नगर की एक आवश्यक बैठक अध्यक्ष डॉ राकेश कुमार आर्य की अध्यक्षता में संपन्न हुई। सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया कि आर्य प्रतिनिधि सभा जनपद गौतम बुद्ध नगर के इस महान और ऐतिहासिक कार्यक्रम का बढ़ चढ़कर प्रचार प्रसार किया जाए। जिससे राष्ट्र की उलटी दिशा को एक सकारात्मक विमर्श के साथ समन्वित कर राष्ट्र के युवाओं को एक नई दिशा दी जा सके। सभा ने यह निर्णय लिया कि आर्य समाज समरस समाज बनाने के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर इस कार्य को करेगा। इसका उद्देश्य किसी भी वर्ग की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं है बल्कि मनु महाराज के वास्तविक स्वरूप को स्थापित करना है। इस कार्यक्रम में पूर्व सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ सत्यपाल सिंह , सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के राष्ट्रीय महामंत्री विनय आर्य, राष्ट्र निर्माण पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ आनंद कुमार , स्वामी चेतन स्वरूप वैश्वानर , गार्गी कन्या गुरुकुल की प्राचार्य मनु आर्या , डॉ सुरेंद्र कुमार दर्शनाचार्या विमलेश आर्या सहित अनेक विद्वानों के पहुंचने की संभावना है। सभी विद्वान महर्षि मनु के भारतीय सांस्कृतिक राष्ट्रवाद में योगदान पर प्रकाश डालेंगे।

इस विशेष बैठक में देव मुनि जी महाराज, देवेंद्र सिंह आर्य एडवोकेट, ओमवीर सिंह भाटी एडवोकेट, सरपंच रामेश्वर सिंह, विजेंद्र सिंह आर्य , दिवाकर आर्य, आर्य प्रतिनिधि सभा जनपद गौतमबुद्ध नगर के उप प्रधान श्री मुकेश नागर एडवोकेट , आर्य वीर दल उत्तर प्रदेश के सचिव श्री आर्य वीरेश भाटी , मंत्री धर्मवीर सिंह आर्य , श्री सौरभ आर्य , विपिन आर्य, महेंद्र सिंह आर्य, जीत सिंह आर्य, बाबूराम आर्य इंजीनियर श्यामवीर सिंह भाटी आदि वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किया और कार्यक्रम को सफल बनाने के प्रति संकल्प व्यक्त किया।

रसोई पर बाजार के हमले से चौपट होता स्वास्थ्य

ललित गर्ग

अध्ययन के मुताबिक, जिन देशों में पिछले 15 साल में सुपरमार्केट से तले-भुने एवं जंक खाद्य पदार्थों की बिक्री में 11 फीसदी वृद्धि हुई है, वे भारत, बांग्लादेश, अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर जैसे देश हैं। रिपोर्ट का एक चिंतनीय पक्ष यह है कि दक्षिण एशिया में यह बढ़ोतरी अन्य देशों की तुलना में तेज रही। आंकड़े बताते हैं कि बीते डेढ़ दशक में विश्व स्तर पर सुपरमार्केट 23.6 फीसदी बढ़े हैं, जबकि इस दौरान दुनियाभर में मोटापा 18.2 प्रतिशत से बढ़ कर 23.7 प्रतिशत हो गया है।

आज रसोई पर संकट मंडरा रहा है, बाजारवाद ने रसोई के अस्तित्व को ही बदल दिया है, न केवल रेसाई को बदला है बल्कि हमारे शुद्ध एवं स्वास्थ्यवर्द्धक खानपान को ही ध्वस्त कर दिया है, जिससे हमारा स्वास्थ्य तो चौपट हो ही रहा है, हमारे पारिवारिक एवं भावनात्मक संबंध भी चरमरा रहे हैं। देश-दुनिया में पैकेटबंद खाद्य पदार्थों का चलन और इससे होने वाले नुकसान बढ़ते जा रहे हैं। मोटापा सहित अनेक बीमारियां संकट पैदा कर रही है। इन्हीं चिन्ताओं के बीच यूनिसेफ की एक ताजा रिपोर्ट चौंकाती भी है एवं लगातार स्वास्थ्य समस्याओं के बढ़ने के कारण को दशार्ती है। यूनिसेफ ने भारत समेत 97 देशों में अध्ययन कर बताया है कि पिछले 15 साल में दुनियाभर में पैकेटबंद खाद्य पदार्थों की बिक्री 11 फीसदी बढ़ी है, जिससे जेब पर भी असर पड़ा है और स्वास्थ्य पर भी, विशेषतः पारिवारिक संरचना पर। ज्यादा-से-ज्यादा चेन स्टोर-सुपरमार्केट खुलने के बाद लोग इनका अधिक सेवन कर रहे हैं। जिन देशों में प्रतिव्यक्ति सर्वाधिक चेन किराना स्टोर एवं सुपरमार्केट हैं, वहां लोग ज्यादा अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थ खरीदते हैं। ह्यनेचर फूडङ्क पत्रिका में प्रकाशित इस रिपोर्ट को गंभीरता से लेते हुए व्यक्ति, परिवार, समाज एवं सरकार को सख्त एवं प्रभावी कदम उठाने होंगे।

अध्ययन के मुताबिक, जिन देशों में पिछले 15 साल में सुपरमार्केट से तले-भुने एवं जंक खाद्य पदार्थों की बिक्री में 11 फीसदी वृद्धि हुई है, वे भारत, बांग्लादेश, अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर जैसे देश हैं। रिपोर्ट का एक चिंतनीय पक्ष यह है कि दक्षिण एशिया में यह बढ़ोतरी अन्य देशों की तुलना में तेज रही। आंकड़े बताते हैं कि बीते डेढ़ दशक में विश्व स्तर पर सुपरमार्केट 23.6 फीसदी बढ़े हैं, जबकि इस दौरान दुनियाभर में मोटापा 18.2 प्रतिशत से बढ़ कर 23.7 प्रतिशत हो गया है। पैकेटबंद खाद्य पदार्थों की खरीद बढ़ने से अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात में भोजन पर खर्च बहुत अधिक बढ़ा है। भारत में भी पिछले साल के अंत में सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण की रिपोर्ट कहती है कि लोगों के खाद्य बजट में सब्जियों, पैकेटबंद चीजों एवं जंक फूड्स की ही बड़ी हिस्सेदारी है। खाद्य पदार्थों के व्यापार पर नजर रखने वाली एजेंसी यूरोमॉनिटर के मुताबिक, भारत में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड की प्रतिव्यक्ति सालाना बिक्री 2005 में दो किलोग्राम थी, जो 2019 में छह किलोग्राम और 2024 में आठ किलोग्राम हो गयी।

सीएसइ (सेंटर फॉर साइंस एंड इन्वायर्नमेंट) द्वारा भारत में किये गये अध्ययन से भी इसका खुलासा हुआ है कि जंक फूड और पैकेटबंद भोजन मोटापा, कैंसर, उच्च रक्तचाप, मधुमेह और दिल की बीमारियां बढ़ा रहे हैं। यह कितना बड़ा मुद्दा है, इसे इसी से समझा जा सकता है कि इस बार बजट से पहले की आर्थिक समीक्षा में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड पर अधिक टैक्स लगाने की सिफारिश की गयी थी। जाहिर है, अगर अभी नहीं संभले, तो बहुत देर हो जायेगी। इंसानों की तोंद बढ़ती जा रही है। इस बढ़ते मोटाने की भयावहता को महसूस करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मोटापे के खिलाफ जंग छेड़ी है। एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए प्रधानंत्री ने कहा कि 2050 तक 44 करोड़ भारतीय मोटापे का शिकार होंगे। प्रधानमंत्री ने इन आंकड़ों को खतरनाक बताते हुए मोटापे को मात देने के लिए लोगों को मंत्र भी दिये हैं। ये मंत्र हैं- खाने वाले तेल में लोग 10 फीसदी की कटौती एवं जीवनशैली में बदलाव करें। अगर समय पर इस पर ध्यान नहीं गया तो भविष्य में बड़ी स्वास्थ्य समस्याएं होंगी। मोटापे की वजह से हर तीसरा व्यक्ति गंभीर बीमारियों का शिकार हो सकता है।

स्वाद में चटपटी और जब जरूरत हो, तब पैकेटबंद भोजन की उपलब्धता ने हमें अपने घर की रसोई की जगह बाजार पर निर्भर बना दिया है।?इसके लिए बाजार ने कई तरह के लुभावने एवं बाजारवादी तर्क और नारे गढ़ रखे हैं। ये नारे और तर्क हमें लुभाते एवं गुलाम बनाते हैं। समय की बचत के नाम पर हमें मजबूर करते हैं कि हम अपने घर की रसोई को बंद ही रखें। हमारे खान-पान की परंपरा और पौष्टिकता पर यह एक तरह से हमला है। बाजार हमें सिखाना चाहता है कि परिवार में जब जिसको भूख लगे, वह बाजार जाए, आनलाइन ऑर्डर करें और?खा ले। पहले परिवार के लोग एक साथ बैठकर?खाते थे, तब परिवार का हर सदस्य एक दूसरे के सुख-दुख से परिचित होता एवं संवेदनाओं से जुड़ता था। दुख, परेशानियों, निराशाओं को दूर करने का सामूहिक प्रयास किया जाता था। सलाह मशविरा किए जाते थे। आज हमें बाजार सामूहिकता से काटकर वैयक्तिक एवं एकांगी बना रहा है। यदि हमने अपनी रसोई को सहेजकर नहीं रखा, तो एक दिन ऐसा भी आ सकता है, जब हमें पूरी तरह बाजार के डिब्बाबंद भोजन पर ही निर्भर रहना पड़े।

विशेषज्ञों का कहना है कि करीब 14 फीसदी वयस्क और 12 फीसदी बच्चे अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स की लत का शिकार बन चुके हैं। लोगों में स्वास्थ्य के नजरिए से हानिकारक इन खाद्य पदार्थों को लेकर जो लगाव है, वो शराब और तम्बाकू जितना ही बढ़ चुका है। बता दें कि दुनिया भर में 14 फीसदी लोग शराब के और 18 फीसदी लोग तम्बाकू के आदी बन चुके हैं। ऐसे में 14 फीसदी वयस्कों में अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड की दीवानगी एवं आकर्षण बेहद गंभीर खतरे की ओर इशारा करती है। यह जानकारी अमेरिका, ब्राजील और स्पेन के शोधकताओं द्वारा किए अध्ययन में सामने आई है, जिसके नतीजे नौ अक्टूबर 2023 को द ब्रिटिश मेडिकल जर्नल में प्रकाशित हुए हैं। यह अध्ययन 36 देशों में प्रकाशित 281 अध्ययनों के विश्लेषण पर आधारित है।

आजकल मार्केट में पैकेटबंद एवं जंक फूड्स की भरमार है। चिप्स से लेकर दूध, मसाले और हर एक चीज प्लास्टिक, एल्युमिनियम या पेपर की पैकिंग के साथ आ रही है। सुविधा के नाम पर हो रहा यह हमला कई सारे साइड इफेक्ट्स दे रहा हैं। न सिर्फ बड़े बल्कि बच्चे भी पैकेटबंद चिप्स, जूस, कुकीज और नमकीन, नूडल्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। किसी भी तरह की खाने-पीने की चीज की अगर पैकेजिंग की जाती है तो उन्हें सुरक्षित, संरक्षित और ज्यादा समय तक चलने के लिए तीन चीजें मिलायी जाती हैं। प्रीजर्वेटिव्स, नकली रंग और एक्स्ट्रा फैट। कुछ समय पहले आई एक स्टडी में बताया गया कि पैकेटबंद फूड्स में इमल्सीफायर नाम का एक कंपाउंड पाया जाता है, जो दिल की सेहत यानी हार्ट हेल्थ के लिए खतरनाक होता है, इससे कार्डियोवैस्कुलर बीमारियां हो सकती हैं, यह कंपाउंड ब्लड प्रेशर लेवल को बढ़ा सकती है। बहुत ज्यादा मात्रा में इमल्सीफायर जब शरीर में पहुंचता है तो इससे शरीर की शक्ति क्षीण होने लगती है और कमजोरी-थकान-सुस्ती बढ़ती है।

पैकेटबंद भोजन में घर के बने भोजन की तुलना में पोषक तत्वों की कमी होती है। पैकेटबंद भोजन अक्सर अतिरिक्त चीनी, नमक और वसा से भरपूर होते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते हैं। इनमें फाइबर की कमी होती है, जिससे पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। पैकेटबंद खाद्य पदार्थों में मिलावट की संभावना अधिक होती है, इनमें स्नेह, प्यार, अपनापन एवं ममत्व नहीं होने से यह पोषित नहीं होते। कुछ अध्ययनों से पता चला है कि पैकेटबंद भोजन में पाए जाने वाले कुछ रसायन कैंसर का खतरा बढ़ा सकते हैं। बच्चों में पैकेटबंद भोजन का अधिक सेवन उनके शारीरिक विकास को प्रभावित कर सकता है। प्राचीनकाल से ही हमारे देश में घर का चूल्हा यानी रसोई जहां स्वास्थ्य की प्रयोगशाला होती थी वही पूरे परिवार को जोड़ने का केंद्र रही है। यह रसोई ही थी जिसने परिवार को हर सदस्य से प्रेम करना सिखाया। एक दूसरे की इज्जत, सुरक्षा, देखभाल एवं स्वस्थ रहना सिखाया। संयुक्त परिवार के दिनों में सास-बहू, देवरानी-जेठानी, ननद-भाभी के बीच पनपे मतभेद को मनभेद में बदलने से रोका, ?भोजन बनाते या साथ बैठकर खाते समय सारे मतभेद, गुस्से को तिरोहित करना भी रसोई ने ही सिखाया। यही हाल पुरुषों का भी था। जब साथ बैठकर खाते थे, तो आपसी मतभेद, मनमुटाव हवा हो जाते थे। लेकिन आज उसी रसोई पर संकट मंडरा रहा है। प्रेषक

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

जीत की खुशी

भारत ने एक साल से कम समय में दूसरी आईसीसी ट्रॉफी जीतकर विश्व क्रिकेट में अपना दबदबा साबित कर दिया है। भारत ने पिछले साल के आखिर में टी-20 विश्व कप को जीता था और अब आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया। भारत ने फाइनल में न्यूजीलैंड को ही नहीं हराया बल्कि खिताब जीतने की राह तक सभी टीमों को परास्त कर दिखाया कि अब कोई उनका सानी नहीं है। भारत की इस जीत में उसके द्वारा लिए गए रणनीतिक फैसले ने भी अहम भूमिका निभाई। बीसीसीआई के चवनकताओं ने जब कोच गौतम गंभीर और कप्तान रोहित शर्मा की मांग पर टीम में पांच स्पिनरों का चयन किया तो इस फै सले की आलोचना भी हुई थी। पर भारत के पूरे अभियान के दौरान एकादश में चार स्पिनरों को खिलाने की योजना बेहद कारगर साबित हुई, क्योंकि किसी भी टीम के पास इसकी काट नजर नहीं आई। फाइनल में भी भारत की कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, रविंद्र जडेजा और अक्षर पटेल की स्पिन चौकड़ी ने 38 ओवर फेंककर कुल 144 रन दिए और पांच विकेट निकाले। इसके विपरीत पेस गेंदबाजों ने 12 ओवर फेंककर 104 रन दिए और एक विकेट निकाला। इससे यह तो साबित होता है कि भारतीय टीम अब रणनीति बनाने में बाकी प्रतिद्विंद्वियों से काफी आगे है। हम सभी जानते हैं कि विश्व क्रिकेट आर्थिक तौर पर भारत पर बहुत निर्भर है, इसलिए फैसलों में भी भारतीय दबदबा दिखता रहा है। पर आईसीसी टूर्नामेंटों को जीतने के मामले में हम थोड़े पिछड़े हुए थे। महेंद्र सिंह धोनी की अगुआई में 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी को जीतने के बाद भारत एक दशक से ज्यादा समय तक आईसीसी ट्रॉफी जीतने में कामयाब नहीं रहा था। इस दौरान विराट कोहली और रवि शास्त्री की कप्तान और कोच की जोड़ी ने भारतीय परचम को दुनियाभर में तो लहरा दिया पर आईसीसी ट्रॉफी से दूरी को वह खत्म नहीं कर पाए, लेकिन रोहित शर्मा और द्रविड़ की जोड़ी ने भारत को टी-20 विश्व कप जिताया और अब गंभीर और रोहित की जोड़ी ने चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर भारत का विश्व क्रिकेट पर आर्थिक दबदबे के साथ क्रिकेटीय दबदबे को भी बना दिया है। भारत की इस सफलता से कप्तान रोहित शर्मा के आलोचकों को भी जवाब मिल गया है। वह जिस ताबड़कोड़ अंदाज में फाइनल में खेले, उससे वह यह दिखाने में कामयाब रहे कि उनमें अभी बहुत क्रिकेट बाकी है। रोहित के साथ विराट ने भी दिखाया कि भारतीय सफलता में वह अभी भी योगदान देने वाले हैं।

चिंतन-मनन

इसलिए सबसे छोटा है कलियुग

शास्त्रों में सृष्टि के आरंभ से प्रलय काल तक की अवधि को चार युगों में बांटा गया है। वर्तमान में हम जिस युग में जी रहे हैं उसे कलयुग कहा गया है। इससे पहले तीन युग बीत चुके हैं सतयुग, त्रेता और द्वापर। भगवान श्री राम का जन्म त्रेतायुग में हुआ था और द्वापर में भगवान श्री कृष्ण का। कलियुग के अंत में भगवान कलकि अवतार लेंगे और संसार में फैले पाप और अन्याय के साम्राज्य का अंत करके पुनः धर्म की स्थापना करेंगे। भगवान ने चारों युगों में सबसे कम उम्र कलियुग को प्रदान किया है। शास्त्रों में सतयुग की अवधि 17 लाख 28 हजार वर्ष बतायी गयी है और त्रेता की अवधि 12 लाख 28 हजार। द्वापर युग की अवधि 8 लाख 64 हजार है जो त्रेता से लगभग 4 लाख वर्ष कम है। कलियुग की अवधि द्वापर से ठीक आधी, यानी 4 लाख 32 हजार है।

सतयुग से कलयुग तक सभी युगों की अवधि छोटी होती गयी है। इसका कारण यह है कि, भगवान बताना चाहते हैं, जो जितना पापी होगा उसकी उम्र उतनी कम होगी। भविष्य पुराण सहित कई शास्त्रों एवं पुराणों में बताया गया है कि कलियुग में पाप की पराकाष्ठा होगी। मनुष्य का व्यवहार सृष्टि के नियम के विरूद्ध होता जाएगा। हिंसा में मनुष्य पशुओं को भी पीछे छोड़ देगा। पशु तो सिर्फ अपनी भूख मिटाने के लिए दूसरे पशु को मारते हैं मनुष्य अकारण ही दूसरे मनुष्य को मारेगा। सच्चे संत भिखारी कहलाएंगे और अपमानित होंगे। कथावाचक और झूठे संत ऊंचे आसन पर विराजमान होंगे। तुलसीदास जी ने भी कलियुग के इस रूप का वर्णन किया है।

त्रेतायुग में रावण ने सीता का हरण किया लेकिन उनकी मर्जी के बिना उन्हें अपनाना पाप समझा। इस युग में छोटा भाई बड़े भाई के प्रति आज्ञाकारी था। बड़ा भाई अपने स्वार्थ के लिए छोटे भाई के साथ छल नहीं करता था। इसका उदाहरण राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न ये चार भाई हैं। त्रेता से जब द्वापर में आते हैं तब पाप बढ़ता दिखता है।

बच्चों में विज्ञान की समझ विकसित करना जरूरी है

संजय गोस्वामी

पृथ्वी के वायुमंडल के बाहर भी जीवन है ? इस बात की पड़ताल एस्ट्रोबायोलॉजी के अंतर्गत किया जाता है। एस्ट्रोबायोलॉजी के जानकार ही वायुमंडल के बाहर जीवन होने के रहस्य से पर्दा उठा सकते हैं, इसके पीछे छुपी होती है। इसी विषय पर अनुशक्ति नगर स्कूल 2में एक वार्ता का आयोजन किया गया एक विषय था *अदृश्य खगोल विज्ञान डेढ़ घंटे का एक वैज्ञानिक व्याख्यान 3 मार्च 2025 को सुबह 9:00 बजे, एटॉमिक एनर्जी सेंट्रल स्कूल 2, अणुशक्तिनगर, मुंबई-94 में डॉ. सुंदर सहायनाथन द्वारा एक विज्ञान वार्ता, का आयोजन किया गया उन्होंने उन्होंने बताता की ज्ञान के क्षेत्र में जनसामान्य की भागीदारी बढ़ाने और वैज्ञानिक शिक्षा में सुधार द्वारा अधिक कुशल श्रमशक्ति के विकास में मदद मिलती है।खगोल विज्ञान वैज्ञानिक शोध में वैचारिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करता है। इससे अर्जित ज्ञान को मौसम विज्ञान, कम्प्यूटर विज्ञान, एवं संचार व्यवस्था जैसे प्रायोगिक विज्ञान के क्षेत्रों में आसानी से लागू किया जा सकता है। यह करने हेतु जिन उपकरणों की हमें आवश्यकता है वे महंगी भी नहीं है। यदि हम दूरसंवेदी डेटा से तुलना करें तो खगोल विज्ञान संबंधी डाटाबेस सस्ती भी हैं और सहज रूप से उपलब्ध भी हैं। तथापि आंकड़ों की प्रसंस्करण तकनीकें (मसलन, इमेज प्रोसेसिंग) दोनों ही मामलों में एक जैसी है। इनमें दूरबीन, स्पेक्ट्रोस्कोप इत्यादि बनाने के प्रशिक्षण से लेकर मौसम, चंद्र एवं सूर्यग्रहण इत्यादि जैसे खगोलीय अवधारणाओं की व्याख्या की जाती है। उच्च क्षमता वाली दूरबीनों की एक प्रणाली है जिससे गामा-किरणों की जाँच की जाती है। उदाहरण स्वरूप इस क्षेत्र के कुछ किसानों ने भी पर्यटकों के लिए अपने बागानों में शौकिया खगोलविदों के लिये छोटी दूरबीनों की स्थापना की है। खगोल विज्ञान का विकास और प्रसार औद्योगिक और वैज्ञानिक विकास की भी शुरूआत करता है खगोल विज्ञान संस्था द्वारा विज्ञान क्लब चलाना, शैक्षणिक सामग्री का वितरण एवं खगोल विज्ञान तथा भौतिकी के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति का संयोजन करने जैसे महत्वपूर्ण कार्य किये जाते हैं।डॉ. सुंदर सहायनाथन 25 वर्षों से अधिक समय से बीएआरसी में के लिए काम कर रहे हैं। वे एक खगोल भौतिकीविद् और उनका काम शोध कार्य से ज्यादा सक्रिय आकाशगंगाओं पर है। उनके काम काफी हद तक सैद्धांतिक प्रकृति से सम्बंधित है। वे टीआईएफआर, आईयूसीएए, आईआईए और कश्मीर विश्वविद्यालय, तेजपुर विश्वविद्यालय और कालीकट विश्वविद्यालय जैसे कई भारतीय विश्वविद्यालयों के साथ वैज्ञानिक कार्य से जुड़े रहें हैं। इन संस्थानों से 10 से अधिक पीएच.डी. छात्रों का मार्गदर्शन किया है। इसमें उप प्रधानाचार्य श्री देश राज किशाना ने उनका स्वागत किया। तदुपरांत लेक्चर समाप्त होने पर उन्हें एक मोमेंटो देकर भी सम्मानित किया गया साथ में एक गमले में तुलसी जी का पौधा भी प्रधानाचार्य द्वारा दिया गया। फूलों का गुलदस्ता और डायरी नवीन त्रिपाठी ने अरेंज किया था इस कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री एन सी शर्मा (संयोजक), श्री बी एन मिश्रा, और राजकमल गौतम,स्कूल के शिक्षक सुधीर पालकर.वी पी वर्गीश, गीता मैम, संगीता काकरे आदि ने बच्चों को इस विज्ञान वार्ता को सफल बनाया बच्चों में विज्ञान की समझ विकसित करना बहुत जरूरी है क्योंकि यह उन्हें दुनिया को बेहतर ढंग से समझने, समस्याओं को हल करने और भविष्य के लिए तैयार करने में मदद करता है।

चैंपियंस ट्रॉफी : भारतीय दबदबे का मंचन

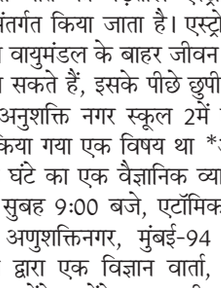

मनोज चतुर्वेदी

देश में दिवाली एक हफ्ते पहले ही आ गई। भारत के चैंपियंस ट्रॉफी चैंपियन बनते ही देशभर में आकाश पटाखों की आवाज से गूंज गया।

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा अभी कुछ माह पहले आईसीसी टी-20 विश्व कप जीतने पर जिस तरह भावुक हो गए थे, वैसे इस सफलता पर भावुक तो नहीं हुए पर खुशी जबर्दस्त दिखी। उन्होंने अपने साथ कई सफलताओं के साथी विराट कोहली के साथ स्टंप हाथ में लेकर डांडिया खेलना शुरू कर दिया।

भारतीय टीम ने सफेद गेंद से जिस तरह से पिछले कुछ समय में प्रदर्शन किया है, वह उसके विश्व क्रिकेट पर दबदबे की कहानी बताने के लिए पर्याप्त है। भारत ने पिछले साल के आखिर में टी-20 विश्व कप जीतने के बाद चैंपियंस ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। भारत ने जब 2023 में घर में हुए आईसीसी वनडे विश्व कप में अपनी क्षमता को प्रदर्शित नहीं कर सका था। उस समय में यह कहा जाने लगा था कि हम यह भूल गए हैं कि खिताब कैसे जीता जाता है। इसकी वजह भारत के हाथ से कई बार खिताब फिसलते देखा गया था। पर अब भारत के एक साल से भी कम समय में दो आईसीसी खिताब जीतने से लगता है कि वह अब जीतने का फामरूला पाने में सफल हो गया है।

यह फामूर्ला कितने समय तक कारगर रहता है, यह देखने वाली बात होगी। भारत के पास आईसीसी के चार खिताबों में से दो पर कब्जा है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के लिए वह इस बार क्वालिफाई नहीं कर सका है। इसकी वजह घर में न्यूजीलैंड से सीरीज में सफाया कराने और फिर ऑस्ट्रेलिया से उसके घर में सीरीज हाराना रही। भारत को अब इन दोनों खिताबों पर कब्जा करने के लिए 2027 तक इंतजार करना पड़ेगा, क्योंकि आईसीसी वनडे विश्व कप का 2027 में आयोजन होना है और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अगली साइकिल भी तब तक ही खत्म होगी।

न्यूजीलैंड पिछले कुछ वर्षो में भारत के तगड़ी प्रतिद्वंद्वी के तौर पर उभरकर सामने आई है। इस फाइनल में भी जब उसने भारत के तीन विकेट फटाफट निकाल दिए थे, तो भारतीय कैंप में हड़कंप मच गया और एकदम से खामोशी छा गई। कप्तान रोहित शर्मा और शुभमन गिल के बीज 105 रन की साझेदारी बनने से मैच के एकतरफा बनने के संकेत मिल ही रहे थे कि अगले 17 रनों में तीन विकेट निकल जाने से लगा कि कहीं मैच पलटने तो नहीं जा रहा है। पर इस स्थिति में श्रेयस अय्यर, हार्दिक पांड्या, केएल राहुल और रविंद्र जडेजा ने बेहतरीन बल्लेबाजी करके भारत को खिताब तक पहुंचा दिया। असल में भारत के चार स्पिनर खिलाने के फैसले और इनमें दो अक्षर पटेल और रविंद्र जडेजा के बल्लेबाज होने से भारत की बल्लेबाजी में बहुत गहराई आ गई थी।

इसका भारत को हमेशा फायदा मिला और शुरूआती विकेट जल्दी निकल जाने तक भी बड़ा स्कोर खड़ा करने की संभावनाएं बनी रहती थीं। यह साल ऐसा है, जिसने भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को जिंदगी के दोनों पक्ष दिखाए हैं। यहां एक और वह चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर सफलता के मायने में महेंद्र सिंह धोनी से सिर्फ एक कदम ही पीछे हैं। वहीं दूसरी तरफ साल की शुरूआत में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खराब फॉर्म की वजह से सिडनी टेस्ट में खुद को टीम से बाहर कर लिया था। यह वह समय था, जब उनकी कप्तानी के साथ कॅरियर पर सवालिया निशान लग रहे थे, लेकिन इस सफलता ने आलोचकों के मुंह पर ताला जड़ दिया है। सच में फाइनल में जिस तरह से उन्होंने 76 रनों की पारी खेलकर भारत की जीत की राह बनाई, उससे क्रिकेट जगत उनका मुरीद बन गया है।

धोनी ने एक कप्तान के रूप में आईसीसी वनडे विश्व कप, चैंपियंस ट्रॉफी और टी-20 विश्व कप जीतकर अपने को भारतीय कप्तानों में शिखर पर पहुंचा दिया है। रोहित से अब सिर्फ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप और आईसीसी वनडे विश्व कप ही दूर है। वह यदि 2027 तक खेल सके तो वह देश के सफलतम कप्तान बन सकते हैं। रोहित 2022 से पहले विकेट पर टिकने के बाद ताबड़तोड़ करने में विश्वास रखते थे, लेकिन अब वह पहली ही गेंद से बड़े शॉट खेलने में विश्वास रखते हैं। उनके इस तरीके से सामने वाले अटैक की समझ में नहीं आता है कि वह करें तो क्या? फाइनल में ही ऐसा कुछ हुआ। उन्होंने 83 गेंदों में सात चौकों और तीन छक्कों से 76 रन बनाकर भारत को एकतरफा जीत की तरफ बढ़ा दिया था। पर रचिन रविंद्र की एक गेंद पर बेवजह आगे निकलकर खेलने के प्रयास स्टंप होकर भारत को कुछ समय के लिए मुश्किल में डाला।

भारत बल्लेबाजी में गहराई की वजह से जीत गया पर रोहित ने ऐसा नहीं किया होता तो वह फाइल में शतक बनाने वाले बनने के साथ और सहजता से टीम को जीत तक पहुंचा सकते थे। रोहित की इस पारी और कोहली के पाकिस्तान के खिलाफ जीत में जमाए शतक से अब इन दो दिग्गजों के संन्यास के लिए दबाव बनाने वाले आलोचकों के मुंह जरूर सिल गए हैं। इस तथ्य से सभी वाकिफ हैं कि भारत की जीत के लिए इन दोनों का चलना बेहद जरूरी है। यह सही है कि हर खिलाड़ी को एक न एक दिन संन्यास लेना ही पड़ता है पर जब खिलाड़ी अच्छा खेल रहा हो तो उस पर छोड़ने के लिए दबाव बनाने को कतई उचित नहीं कहा जा सकता है।

दिल्ली में नई सरकार के गठन के बाद एनडीएमसी की बड़ी बैठक, प्रवेश वर्मा भी हुए शामिल, लिए गए बड़े फैसले

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के लोक निर्माण मंत्री प्रवेश वर्मा ने मंगलवार को कहा कि दिल्ली चुनाव के बाद पहली बार एनडीएमसी परिषद की बैठक हुई और इसमें काफी सार्थक चर्चा हुई। बैठक के बाद उन्होंने कहा कि अगले 6-8 महीनों में 9,000 नए पानी के कनेक्शन लगाए जाएंगे, जिससे 4,700 लोगों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार ने सस्ती बिजली खरीदने के विकल्पों पर भी विचार किया है और एनडीएमसी में साफ-सुथरी सड़कें सुनिश्चित करने के लिए अतिक्रमण अभियान चलाया जाएगा।

वर्मा ने कहा कि दिल्ली चुनाव के बाद आज एनडीएमसी परिषद की पहली बैठक थी। काफी सार्थक चर्चा हुई। यहां 34 झुग्गी-झोपड़ियां हैं जहां पानी की समस्या है। अगले 6-8 महीनों में 9,000 नए पानी के कनेक्शन लगाए जाएंगे, जिससे 4,700 लोगों को फायदा होगा। यह बहुत बड़ा फैसला है। हमने सस्ती बिजली खरीदने के विकल्पों पर भी विचार किया है। उन्होंने कहा कि एनडीएमसी में साफ-सुथरी सड़कें सुनिश्चित करने के लिए अतिक्रमण अभियान चलाया जाएगा। एनडीएमसी क्षेत्र को सीसीटीवी कैमरों से लैस किया जाएगा। वर्मा ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की 'डबल इंजन' सरकार के नेतृत्व में हम यमुना के पुनरुद्धार और इसके डूब क्षेत्र की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वर्षों के अवैध अतिक्रमण और कचरा फेंके जाने के कारण यमुना नदी अवरुद्ध हो गई है।'' उन्होंने कहा कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी इस संबंध में प्रादेशिक सेना के साथ औपचारिक संवाद करेंगी। मंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार कार्य बल की तैनाती के लिए पूर्ण रूप से धन मुहैया कराएगी, जो नियमित गश्त, अनधिकृत निर्माण को रोकने और यह सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार होगा कि नदी के किनारों पर कचरा और निर्माण कार्य का मलबा न फेंका जाए।

बजट सत्र 24-28 मार्च तक, व्यापक विधायी एजेंडा तय

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने मंगलवार को कहा कि उपराज्यपाल वी के सक्सेना द्वारा दिल्ली की आठवीं विधानसभा के पहले सत्र को समाप्त करने और दूसरे सत्र को 24 से 28 मार्च तक बुलाने के आदेश से संविधान, विधानसभा नियमों और संसदीय परंपराओं की गरिमा राष्ट्रीय राजधानी में फिर से बहाल हो गई है। श्री गुप्ता ने कहा कि पिछली आम आदमी पार्टी (आप) सरकार ने संवैधानिक प्रावधानों, विधायी प्रक्रियाओं और संसदीय परंपराओं की खुली अवहेलना करते हुए दिल्ली विधानसभा को एक दिखावटी मंच बना दिया था। उन्होंने कहा कि आमतौर पर देश की संसद और सभी राज्य विधानसभाओं में हर साल तीन सत्र होते हैं - बजट सत्र, मानसून सत्र और शीतकालीन सत्र और इसके अतिरिक्त, विशेष परिस्थितियों में कभी-कभी विशेष सत्र भी बुलाए जाते हैं, लेकिन 2020 से 2025 तक के पांच साल के कार्यकाल में सातवीं दिल्ली विधानसभा ने केवल चार सत्र आयोजित किए, और कुछ मामलों में बिना विधानसभा को औपचारिक रूप से समाप्त किए ही सत्र बुलाए गए, जिनका उपयोग संवैधानिक संस्थाओं और अन्य राज्य सरकारों की आलोचना के लिए किया गया। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि अब नई सरकार के सत्ता में आने के बाद, विधानसभा की गरिमा और प्रतिष्ठा बढ़ी है। पहले सत्र को औपचारिक रूप से समाप्त कर दिया गया है और अब दूसरा सत्र, यानी बजट सत्र आगामी 28 मार्च से बुलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब से, विधानसभा हर साल निर्धारित तीन सत्रों का पालन करेगी, जिसमें प्रश्नकाल, निजी विधेयकों पर चर्चा और अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर बहस होगी ताकि दिल्ली की जनता की आवाज़ सुनी जा सके। विशेष सत्र केवल असाधारण परिस्थितियों में ही बुलाए जाएंगे।

दिल्ली : नकली शराब बनाने की फैक्ट्री का भंडाफोड़, महिला सहित दो गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के गोकुलपुरी इलाके में नकली शराब बनाने वाली एक फैक्ट्री का भंडाफोड़ करते हुए पुलिस ने महिला आरोपी और एक ऑटो चालक को गिरफ्तार किया। स्पेशल स्टाफ की टीम ने इस बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया और मौके से बड़ी मात्रा में नकली शराब, शराब बनाने के उपकरण और अन्य सामग्री बरामद की। गोकुलपुरी इलाके में चल रही इस फैक्ट्री से बड़ी संख्या में बारकोड, बोतलें, ढक्कन, डिब्बे, कैनिंग मशीन, फ्लेवर के लेबल भी बरामद किए गए। इसके अलावा, पुलिस ने 242 कार्टन देशी शराब (12,045 क्वार्टर बोतल), 1,885 लीटर स्प्रिट/केमिकल और कई टन कच्चा माल भी जब्त किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गोकुलपुरी निवासी सुमन और ऑटो चालक पप्पू के रूप में हुई है। यह गिरोह दिल्ली और एनसीआर क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में अवैध शराब की आपूर्ति कर रहा था। उत्तरी जिले के उपायुक्त राजा बांठिया के अनुसार, स्पेशल स्टाफ की टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि सुमन नामक महिला उत्तरी दिल्ली के पुल मिठाई क्षेत्र में नकली शराब की आपूर्ति करने वाली है। इसके बाद सिग्नेचर ब्रिज के पास जाल बिछाया गया और मुखबिर की जानकारी के आधार पर एक ऑटो चालक को चेकिंग के लिए रोका गया, जो हरियाणा में बिक्री के लिए 20 कार्टन नकली शराब ले जा रहा था। पुलिस ने गिरफ्तारी के बाद मामले की और जांच शुरू कर दी है, ताकि इस बड़े शराब तस्करी नेटवर्क का पता लगाया जा सके।

'भारत में अवैध रूप से रह रहे 5 और बांग्लादेशी गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे रोहिंग्याओं और बांग्लादेशियों पर पुलिस का ऐक्शन लगातार जारी है। दिल्ली पुलिस ने राजधानी के अलग-अलग इलाकों से 5 बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में पिता-पुत्र भी शामिल हैं। दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि दो बांग्लादेशियों को सदर बाजार इलाके से और बाकी तीन को बाहरी जिले से गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए ये सभी बांग्लादेशी भारत में अवैध रूप से रह रहे थे और उन्होंने अपने दस्तावेज भी बनवा लिए थे। पुलिस ने बताया कि 07 मार्च 2025 को गुप्त सूचना के आधार पर 7816/8, नई बस्ती, फिल्मिस्तान, सदर बाजार से एक 55 वर्ष बांग्लादेशी नागरिक हिरासत में लिया गया था। उसकी पहचान मोहम्मद बिलाल पुत्र मोहम्मद सिकंदर, निवासी गांव और थाना मरोलगंज, जिला खुलना, बांग्लादेश के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उसके पास से एक भारतीय वोटर कार्ड मिला था। पुलिस ने बताया कि हम उसके वोटर कार्ड को रद्द करने और उक्त वोटर कार्ड जारी करने की अपनाई प्रक्रिया की जांच करने के लिए कदम उठा रहे हैं। इसके अलावा 10 मार्च 25 को बिलाल के 26 वर्षीय बेटे को भी हिरासत में ले लिया गया। जिसकी पहचान मोहम्मद फारुख पुत्र मोहम्मद बिलाल, निवासी गांव बलीपारा, थाना और जिला पेरिसपुर, बांग्लादेश के रूप में हुई है। फारुख भी अपने पिता के साथ मकान नंबर 7816/8, इलियास बिल्डिंग, पांचवीं मंजिल, नई बस्ती, दिल्ली में रह रहा था।

दिल्ली के आनंद विहार में स्पा-मसाज सेंटर की आड़ में सजता था सेक्स बाजार, कई अरेस्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के आनंद विहार इलाके में स्पा और मसाज सेंटर की आड़ में सेक्स रैकेट चल रहा था। दिल्ली पुलिस ने इस सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ करने का दावा किया है। पुलिस ने कुल 14 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि आठ महिलाओं और छह पुरुषों समेत स्पा सेंटर के मैनेजर पीयूष (24) को 8 मार्च को छापेमारी के दौरान गिरफ्तार किया गया। आरोपियों में 5 ग्राहक भी शामिल थे। पुलिस उपायुक्त (शाहदरा) प्रशांत गौतम ने बताया कि इस सेक्स रैकेट का पता लगाने के लिए एक फर्जी ग्राहक को स्पा के अंदर भेजा गया। फर्जी ग्राहक को 2,000 रुपये में मसाज की पेशकश की गई। बातचीत के दौरान स्पा सेंटर के मैनेजर पीयूष ने कथित तौर पर 2,000 रुपये के अतिरिक्त शुल्क पर कई महिलाओं की ओर से यौन सेवाओं की पेशकश की। पुलिस अधिकारी ने बताया कि फर्जी ग्राहक की ओर से जब पुष्टि के बाद पहले से तय संकेत दिया गया तब पुलिस की एक टीम परिसर में घुसी और छापेमारी की। पकड़े गए आरोपियों को बरामद सामान के साथ आगे की जांच के लिए आनंद विहार पुलिस थाने को सौंप दिया गया।

आनंद विहार इलाके में टेंट में आग लगने से तीन मजदूरों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। शाहदरा जिले के आनंद विहार इलाके में बीती देर रात एक अस्थायी टेंट में आग लग गई। हादसे में तीन मजदूरों की जलकर मौत हो गई जबकि एक मजदूर मामूली रूप से झुलस गया। घटना बीती रात 2 बजकर 22 मिनट की है। आग में एक छोटा गैस सिलेंडर फट गया। घटना की सूचना मिलते ही आनंद विहार थाना पुलिस व दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने आधे घंटे के भीतर आग पर काबू पाया। आग बुझाने के बाद सर्च ऑपरेशन के दौरान अस्थायी टेंट से तीन जले हुए शव बरामद हुए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। घटनास्थल पर क्राइम टीम ने निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए हैं।

दमकल विभाग के अनुसार आनंद विहार कड़कड़डूमा कोर्ट स्थित एजीसीआर एन्क्लेव के पास एक अस्थायी टेंट में आग लगने सूचना मिली। सूचना मिलते ही दमकल की दो गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दमकलकर्मियों ने 2:50 बजे आग पर काबू पाया।

शाहदरा जिले के डीसीपी प्रशांत गौतम के अनुसार मृतकों की पहचान जग्गी (30) और उनके भाई श्याम सिंह (40) और कांता प्रसाद उर्फ जितेन्द्र (37) के रूप में हुई है। सभी उम्र के औरैया के रहने वाले थे और यहां मजदूरी करते थे।

पुलिस की ओर से बताया गया कि मृतक और एक अन्य मजदूर इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) में काम करते थे और मंगलम रोड पर डीडीए प्लॉट के पास स्थित अस्थायी टेंट में रहते थे। पूछताछ में पता चला कि मृतक आईजीएल कंपनी के अस्थाई मजदूर थे। वह वह रात में टेंट में ताला लगा कर रखते थे और अंदर रोशनी के लिए डीजल की डिबिया जलाते थे।

हादसे में घायल नितिन सिंह ने बताया कि बीती रात दो बजे श्याम सिंह ने टेंट में आग देखी और उसे जगाने के लिए कहा। श्याम सिंह ने टेंट से भागने के लिए ताला खोलने की कोशिश की लेकिन सफल नहीं हो सका। नितिन सिंह टेंट से भागने में कामयाब रहा जबकि अन्य लोग आग में फंस गए। जग्गी, श्याम सिंह और कांता जल गए और उनकी मौत हो गई। नितिन के अनुसार आग में एक गैस सिलेंडर फटा है। आनंद विहार थाना पुलिस ने लापरवाही से मौत का मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

दिल्ली बजट सत्र 24 से, दो साल बाद होगा प्रश्नकाल

सीएम रेखा गुप्ता 25 मार्च को पेश कर सकती हैं बजट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली का बजट सत्र आगामी 24 मार्च से शुरू हो रहा है। सूत्रों के मुताबिक, एलजी के अभिभाषण और आर्थिक सर्वेक्षण के बाद 25 मार्च को दिल्ली का बजट पेश हो सकता है। खास बात यह है कि विधानसभा में इस बार प्रश्नकाल भी होगा। विधायक लंबे समय बाद सदन में प्रभारी मंत्रियों से सवाल पूछ पाएंगे। आखिरी बार 2022 में प्रश्नकाल हुआ था। सीएम कर रही हैं बैठक दिल्ली में भाजपा की नवगठित सरकार इन दिनों बजट की तैयारियों में जुटी है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता रोज अलग-अलग विभागों के साथ बजट को लेकर 2-3 बैठकें कर रही हैं। बजट खुद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पेश करेंगी, क्योंकि वित्त विभाग की जिम्मेदारी उन्होंने अपने पास रखी है। दिल्ली बजट इस बार खास होगा, क्योंकि नई सरकार को राजधानी में पहले से चल रही मुफ्त योजनाओं के साथ महिलाओं के लिए 2500 रुपये देने के लिए भी बजट का इंतजाम करना होगा। बजट सत्र के दौरान सदस्य प्राइवेट मेंबर विधेयक भी सदन में रख सकते हैं। इसके लिए उन्हें अपने मुद्दे के बारे में 13 मार्च दोपहर 3 बजे तक विधानसभा अध्यक्ष के कार्यालय में सूचित करना होगा। प्राइवेट मेंबर बिल को 28 मार्च मसलन सदन के आखिरी दिन सुना जाएगा।

सीटीआई ने सुझावों का पत्र सौंपा

दिल्ली के बजट में शामिल कराने के लिए सोमवार को व्यापारी संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) की ओर से मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को 11 सुझावों का पत्र सौंपा गया। सीएम आवास पर पहुंचे व्यापारियों के प्रतिनिधिमंडल ने उनसे मुलाकात कर दिल्ली के 700 बाजारों और 56 औद्योगिक क्षेत्र की समस्याओं के निराकरण के लिए बजट में विशेष तौर से प्रावधान किए जाने की मांग की है। सीटीआई चेयरमैन बृजेश गोयल ने बताया कि दिल्ली सरकार की ओर से बजट के लिए व्यापारियों से सुझाव मांगे गए थे। इसके आधार पर उन्होंने विभिन्न बाजारों के व्यापारिक संगठनों के साथ बैठक और वार्ता कर उनके क्षेत्रीय मुद्दों के आधार पर यह सुझाव पत्र तैयार कराया।

आनंद विहार आग : घटनास्थल पर पहुंची सीएम रेखा गुप्ता, मृतकों के परिवारों को मुआवजे की घोषणा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के आनंद विहार में सोमवार रात आग लगने से तीन लोगों की मौत हो गई। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने घटनास्थल का दौरा किया। उन्होंने घटनास्थल पर मौजूद लोगों से बात की, घटना के बारे में जानकारी ली और मृतकों के परिवारों को आर्थिक सहायता देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आग लगने से मरने वालों के परिवारों को 10-10 लाख रुपये मुआवजे के तौर पर देने की घोषणा की। उन्होंने मृतकों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और आग लगने की घटना पर दुख जताया।

दिल्ली के आनंद विहार इलाके में झुग्गी-झोपड़ी में आग लगने से तीन लोगों की जलकर मौत हो गई थी। यह घटना सोमवार रात की बताई जा रही है, जहां करीब दो बजे आग लग गई। यह झुग्गी डीडीए की खाली जमीन पर बनी हुई थी।

चश्मदीद नितिन ने बताया कि उसे रात में

करीब दो बजे आग लगने की खबर मिली, जिसके बाद झुग्गी छोड़कर वह भाग गए। उन्होंने बताया कि उनके तीन साथी भी उसी झुग्गी में रहते थे और उन्हें लगा कि वे तीनों भी अपनी जान बचाकर बाहर निकल गए हैं, लेकिन वे तीनों बाहर नहीं निकल पाए थे और आग लगने से तीनों की जलकर मौत हो गई।

नितिन ने बताया कि झुग्गी में बिजली नहीं थी, जिस वजह से डीजल लैंप जलाया जा रहा था, जिससे आग लग गई। आग लगने के दौरान गैस सिलेंडर में विस्फोट हो गया, जिससे आग और भड़क गई। आग बुझाने के लिए दमकल की गाड़ियां बुलाई गईं और आग पर काबू पाया गया। इसके बाद फायर ब्रिगेड, क्राइम टीम और फॉरेंसिक विशेषज्ञों ने इलाके का निरीक्षण किया।

पुलिस ने घटना में जिंदा बचे नितिन सिंह और मृतकों के परिजनों के बयान दर्ज किए हैं। नितिन ने बताया कि भागने के दौरान जब वह दीवार से कूद रहा था, तब उसके पैर में आंशिक रूप से चोट लग गई। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवा दिया गया और पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी।

हैदरपुर में अतिक्रमण हटाने गई निगम टीम पर पथराव, तीन कर्मचारी घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। हैदरपुर गांव के मुख्य मार्ग पर अतिक्रमण हटाने गई नगर निगम की टीम पर कुछ लोगों ने पथराव कर दिया। पथराव से बुलडोजर व नगर निगम के चार-पांच वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और तीन कर्मचारी जख्मी हो गए। विवाद बढ़ता देख पुलिस ने डंडे भांजकर लोगों को नियंत्रित किया।

नगर निगम ने कानूनी कार्रवाई के लिए पुलिस को शिकायत दी है। बताया गया कि सीएम के निर्देश के बाद नगर निगम की टीम सड़क किनारे रेहड़ी-पटरी वालों को हटाने गई थी। सोमवार की दोपहर अतिक्रमण हटाने के लिए केशवपुरम नगर निगम की टीम पुलिस बल के साथ हैदरपुर गांव पहुंची।

कुछ लोगों ने इस कार्रवाई का जताया विरोध

यहां मुख्य मार्ग के किनारे चाय के खोखे, रेहड़ी-पटरियों को हटाने की कार्रवाई शुरू हुई। नगर निगम दस्ते ने अतिक्रमण हटाए और सामान भी जब्त किया। कुछ लोगों ने इस कार्रवाई पर विरोध जताया, लेकिन निगम ने अपनी कार्रवाई जारी रखी।

कार्रवाई अंतिम पड़ाव में थी, तभी एकाएक कुछ लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया। निगम व पुलिस के अधिकारियों ने समझाने की कोशिश की, इसी दौरान पथराव शुरू हो गया। पथराव में नगर निगम के तीन वाहनों के शीशे टूट गए और तीन कर्मचारियों को मामूली चोटें आईं।

तीन कर्मचारियों को चोटें, चार से पांच वाहन क्षतिग्रस्त

पुलिस ने हल्क बल प्रयोग करके उत्पात कर रहे लोगों को खदेड़ा। नगर निगम केशवपुरम जोन के चेयरमैन योगेश वर्मा ने बताया कि नगर निगम के तीन कर्मचारियों को मामूली चोटें आईं, चार से पांच वाहन क्षतिग्रस्त हुए हैं। इस बारे में दोषी लोगों के खिलाफ कार्रवाई के लिए पुलिस को अवगत करा दिया गया है।

कटेवड़ा में 50 से अधिक घरों के बाहर चबूतरे-रैंप तोड़े निगम ने कटेवड़ा गांव में भी अतिक्रमण हटाए। नरेला नगर निगम की टीम ने बुलडोजर की मदद से गांव में घरों के बाहर बनाए गए चबूतरे व रैंप गिराए। सोमवार सुबह 10 बजे से लेकर शाम पांच बजे चली इस कार्रवाई के दौरान 50 से अधिक घरों के बाहर बने अतिक्रमण हटाए। ग्रामीणों ने बताया कि अतिक्रमण से गांव की कई गलियों में वाहनों की आवाजाही में दिक्कत आ रही थीं।

पांडवों के इंद्रप्रस्थ की खोज के लिए दिल्ली के पुराने किले में फिर होगी खुदाई, एएसआई ने दी मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में पांडवों की राजधानी इंद्रप्रस्थ की खोज के लिए एक बार फिर पुराने किले में खुदाई की जाएगी। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने इसकी मंजूरी दी है। आजादी के बाद यहां छठी बार खुदाई की जाएगी। खास बात यह है कि इस बार किले के अंदर अलग-अलग क्षेत्रों में खुदाई की जाएगी। जरूरत पड़ने पर पहले से की गई खुदाई वाले क्षेत्र को दोबारा खोला जा सकता है। इसके लिए अधिकारियों की तैनाती कर दी गई है। ऐसे में इतिहासकारों, शोधार्थियों के साथ इतिहास में रुचि रखने वाले लोग जल्द ही एएसआई की नई खोज से रू-ब-रू हो सकते हैं। पिछली बार लगभग छह मीटर की गहराई तक खुदाई की गई थी।

एएसआई अधिकारियों के मुताबिक, इस बार और गहराई तक खुदाई की जाएगी। इस उत्खनन से इंद्रप्रस्थ के प्राचीन शहर के बारे में जानकारी मिलने की उम्मीद है। पहले की खुदाई में मौर्य काल, शुंग, कुषाण, गुप्त, राजपूत काल, सल्तनत और मुगल काल के अवशेष मिल चुके हैं। हालांकि, पुरातात्विक आधार पर यह दावा किया जा सके कि पुराना किला में पांडवों की राजधानी इंद्रप्रस्थ थी, इसके अब तक कोई ठोस प्रमाण नहीं मिले हैं। ऐसे में एएसआई फिर से इंद्रप्रस्थ को खोजने के लिए कोशिश करने जा रहा है। खुदाई के दौरान परत दर परत अलग-अलग काल खंडों के साक्ष्य जुटाए जाएंगे। एएसआई की प्रवक्ता ने बताया कि पुराना किला में खुदाई का लाइसेंस दे दिया गया है। यहां जल्द ही खुदाई का काम शुरू कर दिया जाएगा।

पांच बार पहले भी हुए प्रयास

एएसआई द्वारा 1954-55 और 1969-73 के दौरान खुदाई की गई थी। इसके बाद 2013-14 और 2017-18 में भी यहां साक्ष्य ढूंढने का काम हुआ। 2023 में पांचवीं बार खुदाई हुई। पूर्व पुरातत्ववेत्ता और पद्म विभूषण बीबी लाल की इसमें अहम भूमिका मानी जाती है जिन्होंने काम शुरू कराया था।

टीले पर निर्माण के मिल सकते हैं सबूत

इतिहासकारों के अनुसार, पुराना किला उस टीले पर स्थित हो सकता है, जिसे कभी पांडवों ने राजधानी बनाया था। किले का निर्माण सबसे पहले 1533 में मुगल बादशाह हुमायूं ने शुरू करवाया था। 1540 में शेरशाह सूरी ने किले का निर्माण आगे बढ़ाया। 1555 में हुमायूं ने किले का निर्माण पूरा करवाया था।

डब्ल्यूएफआई का निलंबन रद्द करने के फैसले को चुनौती दे सकते हैं पहलवान: दिल्ली हाई कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि बजरंग पुनिया, विनेश फोगट, साक्षी मलिक एवं अन्य पहलवान भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के निलंबन को रद्द करने के केंद्र के फैसले को चुनौती दे सकते हैं। मुख्य न्यायाधीश डी के उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने 2023 में डब्ल्यूएफआई के हुए चुनाव के खिलाफ पहलवानों द्वारा दाखिल याचिका पर सुनवाई कर रहे एकल न्यायाधीश से इसे शीघ्र पूरा करने का भी अनुरोध किया।

केंद्र ने डब्ल्यूएफआई को निलंबित करने के 24 दिसंबर, 2023 के अपने आदेश को 10 मार्च को रद्द कर दिया था और राष्ट्रीय खेल महासंघ के रूप में इसका दर्जा बहाल कर दिया था। उसी साल 21 दिसंबर को निर्वाचित हुए नए निकाय (डब्ल्यूएफआई) को शासन और प्रक्रियागत शुचिता में खामियों के कारण निलंबित कर दिया गया था। पीठ ने 'भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की तदर्थ समिति को उसके कामकाज के संचालन के वास्ते बहाल करने के एकल न्यायाधीश के आदेश के विरूद्ध डब्ल्यूएफआई की अपील पर अपनी सुनवाई समाप्त की और कहा कि समिति को केवल केंद्र के निलंबन के प्रभावी रहने तक ही काम करना था।

केंद्र सरकार के 10 मार्च के निर्णय का हवाला देते हुए उच्च न्यायालय ने कहा कि डब्ल्यूएफआई की अपील में अब फैसला करने हेतु कुछ भी शेष नहीं बचा है। उच्च न्यायालय ने कहा, '' यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि यदि कोई पक्ष खेल मंत्रालय के 10 मार्च के आदेश से असंतुष्ट है तो वह उसे उचित न्यायालय में चुनौती दे सकता है।%% सुनवाई के दौरान पहलवानों की ओर से पेश अधिवक्ता ने देश में खिलाड़ियों के साथ किए जा रहे व्यवहार पर हैरानी जताई और डब्ल्यूएफआई के इस दावे पर आपत्ति जताई कि उसकी मान्यता न होने के कारण खिलाड़ी पूर्व में छह टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पाए। अधिवक्ता ने कहा, ''उन्होंने जो कुछ भी किया है, वह वही है जिसकी मैं पिछली बार भी भविष्यवाणी कर रहा था।'

उन्होंने कहा कि मौके पर किए गए निरीक्षण की जो रिपोर्ट (निलंबन को) रद्द करने का आधार बनी, उन्हें उपलब्ध नहीं करायी गयी। पीठ ने दोहराया कि वह जॉर्डन में आगामी एशियाई चैम्पियनशिप में भारतीय टीम की भागीदारी सुनिश्चित करना चाहती है। उसने कहा कि केंद्र के फैसले को उसके समक्ष चुनौती नहीं दी गई है। पीठ ने कहा कि पहलवान निलंबन रद्द करने से संबंधित 'समर्थक दस्तावेजों' के लिए उचित कार्यवाही शुरू कर सकते हैं। केंद्र की ओर से पेश अधिवक्ता ने कहा कि 10 मार्च को डब्ल्यूएफआई का निलंबन वापस लेने का निर्णय लिया गया था और महासंघ को 'निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के दायित्व को बनाये रखने' के लिए कुछ निर्देश जारी किए गए थे।

उन्होंने कहा कि यदि पुनिया और अन्य लोग असंतुष्ट हैं तो उनके लिए समाधान उपलब्ध हैं। तब आईओए ने अपनी अपील वापस ले ली। निलंबन रद्द करने के आदेश में केंद्रीय खेल मंत्रालय ने कहा कि चूंकि डब्ल्यूएफआई ने अनुपालन संबंधी कदम उठाए हैं, इसलिए खेल और एथलीटों के व्यापक हित में निलंबन वापस लेने का निर्णय लिया गया।

मशहूर पहलवान पुनिया, फोगट, मलिक और उनके पति सत्यव्रत कादियान ने सात महिला पहलवानों के कथित यौन उत्पीड़न के लिए डब्ल्यूएफआई के तत्कालीन प्रमुख बृज भूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग की थी और महासंघ के पदाधिकारियों के निर्वाचन के लिए हुए चुनाव को रद्द करने एवं अवैध घोषित करने के लिए 2024 में उच्च न्यायालय का रुख किया था।

एकल न्यायाधीश ने 16 अगस्त, 2024 को अपने अंतरिम आदेश में डब्ल्यूएफआई के लिए आईओए की तदर्थ समिति के क्षेत्राधिकार को बहाल कर दिया और कहा कि जब तक खेल मंत्रालय का निलंबन आदेश वापस नहीं लिया जाता, तब तक समिति के लिए महासंघ के मामलों का प्रबंधन करना आवश्यक है।

झारखंड के कुख्यात गैंगस्टर अमन साहू एनकाउंटर में ढेर

रांची (एजेंसी)। झारखंड के कुख्यात गैंगस्टर अमन साहू को एनकाउंटर में ढेर किया गया है। झारखंड पुलिस अमन को रायपुर जेल से रिमांड पर रांची ले जा रही थी तभी पलामू में टीम पर बम से हमला हुआ और अमन ने पुलिस राइफल छीनकर भागने की कोशिश की। इस दौरान वह मुठभेड़ में मारा गया। एक पुलिसकर्मी भी जख्मी हुआ है। पिछले दिनों बरियातू में कोयला ट्रांसपोर्टर को गोली मारकर घायल करने के मामले में पुलिस ने अमन गैंग के शूटर्स को गिरफ्तार किया था। इसी मामले में अमन साहू को रायपुर जेल से रांची लाया जा रहा था गैंगस्टर अमन से रांची पूछताछ करना चाहती थी। हजारीबाग जिले में एनटीपीसी डीजीएम कुमार गौरव की हत्या के मामले में भी अमन से पूछताछ होनी थी। पुलिस ने बताया कि एनकाउंटर मंगलवार सुबह चैनपुर के अंधारी धौड़ा में हुआ। पुलिस अधिकारी ने बताया, जब रांची पुलिस अमन को रायपुर से ला रही थी। पलामू में गैंगस्टर के साथियों ने बम से हमला किया। इससे पुलिस की गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई। अमन ने पुलिसकर्मी से इंसास राइफल छीनकर भागने की कोशिश की। पुलिस ने आरोपी अमन को रुकने के लिए कहा। लेकिन भागते हुए अमन ने फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने अमन को मार गिराया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि एक जवान भी एनकाउंटर में जख्मी हुआ है।

सभी वादें पूरा करुंगा, लेकिन एक ही बजट में नहीं, विरोधियों को उमर का जबाव

श्रीनगर(एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि वे अपनी पार्टी द्वारा चुनाव घोषणापत्र में किए गए सभी वादों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, लेकिन उन्होंने कभी यह वादा नहीं किया था कि वे एक बजट में ही उन्हें पूरा कर दूंगा। बजट पर चर्चा का जवाब

देकर मुख्यमंत्री ने कहा कि वे इस बजट के माध्यम से यह संदेश देना चाहते हैं कि वे सभी वादे पूरे करने को तैयार है। पीपुल्स कांफ्रेंस के चेयरमैन और हंदवाड़ा के विधायक सज्जाद लोन की चिंताओं का जवाब देकर सीएम उमर ने कहा कि बजट का महंगाई पर कोई असर नहीं पड़ेगा। दिहाड़ी मजदूरों के मुद्दों पर उमर पीडीपी-बीजेपी के बजट भाषणों का हवाला देकर कहा कि उन्होंने दिहाड़ी मजदूरों को नियमित करने के लिए कुछ नहीं किया और उनके शासन में केवल 570 लोगों को नियमित किया। उन्होंने दैनिक वेतनभोगियों की समस्याओं के समाधान के लिए रोडमैप तैयार करने के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक समिति के गठन की भी घोषणा की। सीएम उमर ने कहा कि उनका बजट जम्मू-कश्मीर के हर व्यक्ति और सभी राजनीतिक दलों के लिए एक प्रेम पत्र है। उन्होंने कहा, मैंने इसे एक प्रेम पत्र के रूप में स्वीकार किया है। यह भाजपा, पीसी, पीडीपी, एनसी, कांग्रेस के लिए एक प्रेम पत्र है।

मां वैष्णो देवी की यात्रा में मौसम डाल रहा खलल, चप्पे-चप्पे पर मदद को तैयार हैं जवान

कटड़ा (एजेंसी)। मां वैष्णो देवी की यात्रा जारी है। श्रद्धालुओं को ठंडी हवाओं का सामना करना पड़ रहा है, सोमवार को वैष्णो देवी भवन की ओर रवाना हुए श्रद्धालुओं को अपनी यात्रा के दौरान बारिश का सामना करना पड़ा। बदले मौसम को लेकर मां वैष्णो देवी के सभी मार्गों पर श्राइन बोर्ड प्रशासन के साथ ही पुलिस विभाग, सीआरपीएफ के अधिकारी व जवान और आपदा प्रबंधन दल के अधिकारी तैनात हैं और यात्रा पर निगाह रखे हुए हैं। आधार शिविर कटड़ा से चलने वाली हेलीकॉप्टर सेवा दिन में श्रद्धालुओं को उपलब्ध है। वहीं, बैटरी कार सेवा के साथ ही रोपवे केवल कार सेवा बिना किसी परेशानी के श्रद्धालुओं को मां वैष्णो देवी की यात्रा के दौरान इन सभी सेवाओं का श्रद्धालु लाभ उठाते नजर आए। वर्तमान में मां वैष्णो देवी की यात्रा में थोड़ी बढोतरी हुई है। श्रद्धालु मां वैष्णो देवी की यात्रा करने के उपरांत कटड़ा में प्रसाद के रूम में खरीदारी कर रहे हैं, जिससे व्यापारी वर्ग खुश है। वर्तमान में जिस तरह से मौसम का मिजाज है उम्मीद है कि श्रद्धालुओं को मां वैष्णो देवी की यात्रा के दौरान बारिश के साथ ही बर्फीली हवाओं का सामना भी करना पड़ सकता है। बीते 9 मार्च को 22635 श्रद्धालुओं ने मां वैष्णो देवी के दर्शन किए। वहीं, 10 मार्च को करीब 12500 श्रद्धालु अपना पंजीकरण करवा कर भवन की ओर रवाना हो चुके थे। वहीं, जारी बारिश में अभी तक 11 लाख 10 हजार के करीब श्रद्धालु मां वैष्णो देवी की यात्रा कर चुके हैं।

रेलवे ट्रैक पर फंसी एंबुलेंस, 100 मीटर तक घसीटी गई, बड़ा हादसा टला

रायगढ़ा (एजेंसी)। ओड़िशा के रायगढ़ा-मलकानगिरी-कोरापुट रेल लाइन पर सोमवार को एक बड़ा हादसा होने से पहले टल गया। दरअसल सिकरपाई और भालुमास्का स्टेशनों के बीच एक मालगाड़ी ने रेलवे ट्रैक पर फंसी एक एंबुलेंस को टक्कर मारते हुए करीब 100 मीटर दूर तक घसीटते हुए ले गई। गनीमत की बात यह रही कि इस दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। जानकारी के अनुसार, एक निजी आई हॉस्पिटल की एंबुलेंस जिसमें आठ मरीज सवार थे, रेलवे ट्रैक पर फंस गई। इसी बीच, एक मालगाड़ी ट्रैक पर आ गई और एंबुलेंस को टक्कर मारते हुए करीब 100 मीटर तक घसीटते हुए आगे ले गई। हादसे के समय सतर्कता दिखाते हुए लोको पायलट ने तुरंत इमरजेंसी ब्रेक लगा दिया, जिससे ट्रेन रुक गई और बड़ा हादसा होने से बच गया। इस एंबुलेंस में सवार मरीज आंखों की सर्जरी के लिए अनंता आई हॉस्पिटल जा रहे थे। उनके साथ एक आशा कार्यकर्ता भी मौजूद थीं। राहत की बात यह रही कि इस दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ और एक बड़ी दुर्घटना होने से टल गई। हुआ यह कि घटना होती उससे पहले ही एंबुलेंस में सवार सभी मरीज और ड्राइवर सुरक्षित बाहर निकल गए थे। इस घटना पर पूर्व तट रेलवे का कहना था कि लोको पायलट की सतर्कता के चलते बड़ा हादसा टल गया। रेलवे ने यह भी बताया कि दुर्घटनास्थल को 3 नवंबर 2024 को सुरक्षा के मद्देनजर घेराबंदी कर दी गई थी, लेकिन गांववालों ने अवैध रूप से इस बाड़ को हटा दिया था।

ओडिशा के इतिहास में पहली बार सता और विरोधी दल के विधायकों के बीच हाथपाई

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा में भाजपा विधायक जयनारायण मिश्र के विवादित बयान को लेकर खड़ा हुआ विवाद थम नहीं रहा है। ओडिशा के इतिहास में पहली बाहर शासक एवं विरोधी दल के विधायकों के बीच हाथापाई होने की घटना हुई है।

उत्तर प्रदेश एवं बिहार जैसे राज्य के विधानसभा में शासक-विरोधी के बीच माइक फेंकने, मारपीट की घटना देखने में मिलती रही है। परन्तु पहली बार ओडिशा विधानसभा में इस तरह की स्थिति देखने को मिली है।

ओडिशा में पश्चिम ओडिशा के मिलने को ऐतिहासिक भूल होने की बात कुछ दिन पहले भाजपा विधायक मिश्र ने एक सरकारी सभा में कही थी। इसके साथ ही सभा में जब राज्य की गीत वंदे उत्कल जननी का गान चल रहा था तब वह अपनी सीट से खड़े नहीं हुए। वहीं, बीजद विधायक काली पट्टी बांधकर एवं हाथ में बैनर लिए

मिश्र के प्रसंग पर सरकार से जवाब मांगा, परन्तु सरकार से कोई उत्तर नहीं मिला।

कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक तारा प्रसाद वाहिनीपति ने कहा है कि मिश्र एवं भाजपा के विधायकों ने मेरी कालर पकड़ी, मुझे गाली दी। 25 वर्ष से मैं विधायक हूं ऐसी स्थिति कभी नहीं देखी। स्पीकर से हम अनुरोध कर रहे थे, मगर वे नहीं सुन रहे है। हम भाजपा विधायकों की दादागिरी से नहीं डरने वाले हैं, आदिवासी, महिला, गरीब के लिए हमारी लड़ाई जारी रहेगी। कांग्रेस के हम 14 विधायक हैं, हम उनसे मारपीट नहीं कर सकते, परन्तु हम संवैधानिक रूप से अपना विरोध जारी रखने वाले है। विधानसभा के बाहर महात्मा गांधी की प्रतिमूर्ति के नीचे धरना प्रदर्शन करते कांग्रेस विधायक . वहीं भाजपा विधायक अशोक महांति ने कहा है कि ओडिशा शासन की जिम्मेदारी भाजपा को लोगों ने दी है। तीन दिन से विरोधी दल सदन नहीं चलने दे रहे हैं। आज भी जैसे ही प्रश्नोत्तर शुरू हुआ, विरोधी दल नारेबाजी करने लगे। मंत्री पर हाथ उठाए। हम कहना चाहते हैं, आप अपनी बात विधानसभा अध्यक्ष से कह सकते हैं, परन्तु किसी मंत्री के ऊपर आप हाथ नहीं उठा सकते हैं।

अरविंद केजरीवाल के सामने आ गई नई मुसीबत, 5 साल पुराने मामले में एफआईआर दर्ज करने का आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली की राउज एवेन्यू अदालत ने मंगलवार को अधिकारियों को आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल और अन्य पार्टी नेताओं के खिलाफ 2019 में द्वारका में बड़े पार्टी होर्डिंग्स लगाने के लिए सार्वजनिक धन का दुरुपयोग करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया। मामले की सुनवाई अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नेहा मित्तल ने की। सितंबर 2022 में मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट ने शिकायत खारिज कर दी। हालांकि, सत्र न्यायालय ने निचली अदालत के फैसले को पलट दिया और पुनर्विचार के लिए इसे मजिस्ट्रेट के पास वापस भेज दिया। विशेष न्यायाधीश द्वारा मजिस्ट्रेट अदालत को मामले पर

नए सिरे से निर्णय लेने का निर्देश दिए जाने के बाद, मजिस्ट्रेट ने अब मामले में एफआईआर दर्ज करने की याचिका पर विचार किया है। जनवरी में, विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने कहा कि मजिस्ट्रेट द्वारा पहले शिकायत को खारिज करने के आदेश में यह पता लगाने की कोशिश नहीं की गई थी कि किया गया अपराध संज्ञेय है या नहीं। नई याचिका दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 156(3) के तहत दायर की गई थी, जिसमें मजिस्ट्रेट पुलिस को एफआईआर दर्ज करने और संज्ञेय अपराध की जांच का आदेश देने का निर्देश दे सकता है। पुलिस को 18 मार्च तक अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया गया है।

योगी के मंत्री का विवादित बयान, रंग से बचाने मुस्लिम मर्द हिजाब पहनें

-समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने बयान पर नाराजगी जाहिर की

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार में मंत्री रघुराज सिंह के हालिया बयान ने गर्मी से पहले सियासी पारा चढ़ा दिया है। उन्होंने मुस्लिम समुदाय के पुरुषों को सलाह देकर कहा कि यदि वे होली के रंगों से बचना चाहते हैं, तो मुस्लिम मर्द हिजाब पहनें, रंग से बची रहेगी टोपी। उनका यह बयान विवाद का विषय बन गया है।

दरअसल अलीगढ़ में मंत्री सिंह ने कहा कि अगर मुस्लिम पुरुषों को होली पर रंगों से परहेज है और वे जुमे की नमाज के लिए घर से बाहर निकलना चाहते हैं, तब उनके पास दो ही विकल्प शेष हैं, तब या वे घर पर ही नमाज अदा करें या फिर महिलाओं की तरह हिजाब पहनकर बाहर निकलें। उन्होंने कहा कि होली के दिन मस्जिदों को तिरपाल से ढक दिया जाता है, जिससे वे रंगों से सुरक्षित रह सकें। इसतरह मुस्लिम पुरुष भी खुद को हिजाब से ढक सकते हैं, ताकि उनके सफेद कपड़ों पर रंग न लगे। मंत्री ने कहा कि होली खेलने वालों को यह अंदाजा नहीं होता कि रंग उड़कर कहां गिरेगा। उन्होंने होली के त्यौहार में बाधा डालने वालों के लिए कड़े शब्दों में कहा कि इसतरह के लोग या प्रदेश छोड़ दें, या फिर जेल जाने के लिए तैयार रहें या यमराज से मिलने की तैयारी कर लें। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक गलियारों में बहस छिड़ गई है।

राजनीतिक विवाद और प्रतिक्रियाएं

मंत्री सिंह के बयान पर विपक्षी दलों ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। कई नेताओं ने सांप्रदायिक बयान बताकर योगी सरकार पर निशाना साधा है। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के नेताओं ने कहा कि इस तरह के बयान समाज में नफरत फैलाने का काम करते हैं और इससे धार्मिक सौहार्द बिगड़ सकता है।

मुस्लिम समुदाय में नाराजगी

मुस्लिम संगठनों और नेताओं ने मंत्री के बयान पर कड़ी आपत्ति जाहिर की है। उन्होंने मुस्लिम समुदाय की धार्मिक स्वतंत्रता में दखल बताकर कहा कि सरकार को इस तरह की टिप्पणी करने वाले नेताओं पर कार्रवाई करनी चाहिए। कई मुस्लिम संगठनों ने मांग की कि होली और जुमे की नमाज को लेकर किसी भी तरह की जबरदस्ती नहीं होनी चाहिए और सभी को अपने धार्मिक रीति-रिवाजों का पालन करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए।

बर्ड फ्लू के खतरे को लेकर केंद्र ने पंजाब समेत 9 राज्यों में जारी किया अलर्ट

-खांसी, लगातार सर्दी और नाक से खून के लक्षण दिखें तो लें डॉक्टर की सलाह

चंडीगढ़, (एजेंसी)। केंद्र सरकार के डेयरी एवं पशुपालन विभाग ने तत्काल प्रभाव से पंजाब में बर्ड फ्लू का अलर्ट जारी किया है। ये अलर्ट पंजाब के अलावा 9 अन्य राज्यों में भी जारी किया है। सूत्रों के मुताबिक यह फ्लू लगातार बढ़ते खतरे और घातक एच5एन1 वायरस के फैलने के खतरे को देखते हुए जारी किया है।

मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि केंद्र सरकार के डेयरी और पशुपालन विभाग ने चेतावनी दी है कि बीमारी वाला चिकन खाने से कोई भी व्यक्ति इस घातक वायरस की चपेट में आ सकता है। इसलिए चिकन खाने वालों को सतर्क रहने की सलाह दी है। इतना ही नहीं, स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने इस

वायरस के कुछ सबसे खराब लक्षणों के बारे में भी जानकारी दी है, जिनमें गंभीर खांसी, लगातार सर्दी और सबसे खतरनाक नाक से खून आना शामिल है। यदि किसी को भी इन लक्षणों का अनुभव होता है तो वह तुरंत डॉक्टर की सलाह ले।

मंत्रालय की सचिव ने जारी पत्र में कहा है कि भारत में एवियन इन्फ्लूएंजा (एच5एन1) वायरस फैल गया है। जो लोग संक्रमित चिकन खाते हैं वे वायरस से संक्रमित हो सकते हैं। पत्र में कहा गया है कि जनवरी 2025 से 9 राज्यों में यह वायरस के मामले सामने आए हैं, जिनमें सरकारी स्वामित्व वाले पोल्ट्री फार्म भी शामिल हैं। इस वायरस के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए इस पर ध्यान देने की जरुरत है। सभी सरकारी, वाणिज्यिक और पिछवाड़े पोल्ट्री फार्मों को जैव सुरक्षा उपायों को मजबूत करना होगा। बता दें कि पंजाब में बड़ी संख्या में लोग रोजाना चिकन का सेवन करते हैं, सिर्फ पुरुष ही नहीं बल्कि महिलाएं और बच्चे भी मांसाहारी खाना खाते हैं।

ग़रीबों में क्यों नहीं बांटा जा रहा मंदिरों का सोना-चांदी? वक्फ बिल पर भड़गे मौलाना जवाद नकवी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रभावशाली शिया धर्मगुरु मौलाना सैयद कल्बे जवाद नकवी ने वक्फ संशोधन विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि इसने अपने विचार-विमर्श में त्रुटिपूर्ण प्रक्रिया अपनाई है। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, धर्मगुरु ने कहा कि सभी वक्फ़ संपत्तियाँ सार्वजनिक संपत्ति हैं क्योंकि जनता ने उन्हें अच्छे कामों के लिए दान किया है। वक्फ़ बोर्ड सिर्फ़ चौकीदार है, मालिक नहीं। जैसे केंद्र सरकार भारत की चौकीदार है, मालिक नहीं। आप कश्मीर का नियंत्रण किसी और को, पाकिस्तान को नहीं दे सकते क्योंकि सरकार देश की मालिक नहीं बल्कि चौकीदार है।

नकवी ने आगे कहा कि दूसरी बात यह है कि आप वक्फ़ के लिए कह रहे हैं कि इससे ग़रीबों को फ़ायदा होगा। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि 5 लाख से ज़्यादा मंदिर हैं

और मंदिरों में हज़ारों टन सोना-चाँदी है। इसे ग़रीबों में क्यों नहीं बांटा जा रहा? इन मंदिरों में इतना सोना है कि अगर इसे बाँट दिया जाए तो हर ग़रीब हिंदू अमीर बन जाएगा। दूसरी बात ये कि अगर ये सोना वापस रिजर्व बैंक में चला जाए तो डॉलर 20 रुपये पर आ जाएगा और महंगाई खत्म हो जाएगी।

उन्होंने आगे कहा कि आप मुसलमानों को नुकसान पहुंचाकर हिंदुओं को खुश करना चाहते हैं जबकि यह सिर्फ आपका भ्रम है क्योंकि हिंदू और मुसलमान एक दूसरे को नुकसान पहुंचाकर कभी खुश नहीं रह सकते। आप अपनी गलत नीतियों से उनके बीच के प्यार को नहीं तोड़ सकते इसलिए प्यार बना रहेगा और जिस तरह से आप हारे हैं, अगर आप नफरत फैलाएंगे और सबका साथ सबका विकास का नारा वापस लेंगे तो आप पिछली बार से भी ज्यादा बुरी तरह हारेंगे। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) के प्रवक्ता सैयद कासिम रसूल इलियास ने कहा कि हम मानते हैं कि हमने जो कुछ भी सार्वजनिक रूप से कहा है, सरकार के सामने, जेपीसी के सामने, विपक्षी दलों के सामने और सत्ताधारी दल के सामने भी। हमें विश्वास है कि सद्बुद्धि आएगी और सरकार इस संशोधन को वापस लेगी। लेकिन अगर संशोधन वापस नहीं लिया गया और इसे पारित कर दिया गया तो हम इसके खिलाफ पूरे देश में अभियान चलाएंगे। हमारा अभियान पूरी तरह लोकतांत्रिक, शांतिपूर्ण होगा।

यूपी में 2027 विधानसभा चुनाव सपा-बसपा मिलकर लड़ सकती हैं?

-मायावती के बदलते तेवरों से राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का दौर जारी

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी के विधानसभा चुनाव में अभी काफी समय है, लेकिन प्रदेश में सरकार बनाने को लेकर गुणा-भाग लगाना शुरू हो गया है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी से निकालने के बाद तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। मायावती ने अपने पिछले कुछ बयानों में बीजेपी को आड़े हाथों लिया है। मायावती के बदलते तेवरों से राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का दौर जारी है। चर्चा है कि अखिलेश यादव और मायावती एक बार फिर साथ आ सकते हैं। अगर ये साथ आते हैं तो साल 1993 में मिली सपा-बसपा गठबंधन की करिश्माई जीत को दोहरा सकते हैं।

यूपी में जीत की हैट्रिक लगाने के लिए बीजेपी हिंदुत्व के एजेंडे पर काम कर रही है। सीएम योगी ने बजट सत्र में इसकी बानगी भी पेश की है। उधर समाजवादी पार्टी अपने पीडीए के सहारे यूपी की सत्ता में वापसी करना चाहती है, लेकिन इसी बीच केशव देव मौर्य ने बड़ा बयान दिया है। केशव देव मौर्य ने कहा कि बीजेपी से अकेले ना ही समाजवादी पार्टी और ना ही बसपा जीत पाएगी। उन्होंने कहा कि ऐसे में बेहतर यही होगा कि सपा और बसपा दोनों मिलकर बीजेपी को सत्ता से हटाकर 2027 में सरकार बना लें।

केशव देव मौर्य इस बयान के बाद राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। एक-दूसरे के राजनीतिक धुरविरोधी माने जाने वाले मायावती और अखिलेश यादव मोदी को सत्ता से हटाने के लिए 2019 लोकसभा चुनाव में एक साथ आ चुके हैं। इस चुनाव में मायावती 0 से 10 सीट पर पहुंच गई थी, लेकिन अखिलेश यादव 2014 के आंकड़ों पर ही सीमित रह गए थे। हालांकि 10 सीटों का फायदा होने के बाद भी मायावती ने सपा का वोट बसपा में ट्रांसफर ना होने का आरोप लगाते हुए अपने रास्ते अलग कर लिए थे।

इसके बाद से पूर्व सीएम मायावती अक्सर बीजेपी की तुलना में सपा और कांग्रेस पर ज्यादा हमले करने लगी थी। इस पर अखिलेश यादव समय-समय पर अपनी प्रतिक्रिया भी देते रहे हैं। यही नहीं, सपा ने बसपा के टिकटों पर भी सवाल खड़े किए हैं। वहीं राजनीतिक जानकारों की माने तो राजनीति में कोई किसी का स्थायी दोस्त या दुश्मन नहीं होता है। इसलिए ये कहना कि यह दोनों दल एक साथ नहीं आ सकते हैं, ये कहना गलत होगा।

वहीं चर्चा है कि मायावती के साथ गठबंधन करके अखिलेश यादव 1993 वाले करिश्मा को दोहराना चाहते है। दिसंबर 1992 में अयोध्या में विवादित ढांचा गिराया गया था, उसके ठीक बाद साल 1993 में हुए विधानसभा चुनाव में सपा और बसपा ने मिलकर सरकार बना ली थी। तब सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव और बसपा के संस्थापक कांशीराम एक साथ आ गए थे।

हिमाचल में अगले कई दिन हो सकती है बारिश और बर्फबारी, कई इलाकों में छाए हैं बादल

शिमला (एजेंसी)। मौसम फिर बदल रहा है। प्रदेश के लाहौल स्पीति में जहां दो दिन से बर्फबारी हो रही है। वहीं, अन्य इलाकों में बादल छाए हुए हैं। ऐसे में ठंड का असर कुछ दिन और रह सकता है। हिमाचल प्रदेश में होली समेत अगले चार दिन बारिश बर्फबारी के आसार हैं। मंगलवार को शिमला में हल्के बादल छाए हैं। जानकारी के मुताबिक लाहौल स्पीति में बीती रात रुक रुक कर बर्फबारी होती रही। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के मुताबिक मंगलवार को बारिश की गतिविधि कम रहेगी। वहीं, 12 मार्च से फिर बारिश का दौर शुरू हो सकता है, जो 16 मार्च तक जारी रहने की संभावना है।

उन्होंने बताया कि इस दौरान कुल्लू, कांगड़ा और लाहौल स्पीति के ऊपरी इलाकों में बर्फबारी जबकि मध्यवर्ती और निचले हिस्सों में बारिश की संभावना है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में तापमान सामान्य से 3 से 5 डिग्री ज्यादा है। सबसे ज्यादा

तापमान 28 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है। मार्च में अब तक सामान्य से 44 फीसदी ज्यादा बारिश दर्ज की गई है, केवल ऊना में सामान्य से कम बारिश हुई। मौसम विभाग ने बताया कि पिछले 24 घंटों में राज्य के कुछ हिस्सों में हल्की बर्फबारी देखी गई और न्यूनतम तापमान में 3-5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हुई। यह सामान्य से 3-5 डिग्री सेल्सियस ज्यादा था और कई हिस्सों में 7-13 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा, जिनमें ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, दक्षिण मंडी, दक्षिण चंबा, दक्षिण सोलन, और दक्षिण सिरमौर का हिस्सा आता है। मध्य पर्वतीय इलाकों में शिमला, उत्तर मंडी, उत्तर कांगड़ा, केंद्रीय चंबा, उत्तर सोलन, उत्तर सिरमौर, दक्षिण कुल्लू में कई हिस्सों में न्यूनतम तापमान में 3-5 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई। यह सामान्य से 3-5 डिग्री सेल्सियस ज्यादा था और 5-12 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा।

लाहौल-स्पीति, किन्नौर, उत्तर चंबा, उत्तर कुल्लू के कई हिस्सों में न्यूनतम तापमान में 3-5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हुई। यह सामान्य से 2-4 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है और -2 से 4 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। अधिकतम तापमान में पिछले 24 घंटों के दौरान कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। मौसम विभाग ने बताया कि ईरान और आसपास के क्षेत्रों में चक्रवाती तूफान के चलते पश्चिमी विक्षोभ बना हुआ है इस वजह से दक्षिण-पश्चिम मध्य प्रदेश से दक्षिण हरियाणा तक असर रहेगा। एक नया पश्चिमी विक्षोभ 12 मार्च, की रात से सक्रिय होगा।

मुफ्त स्कीमों के वादों से बचेगी भाजपा? असम विधानसभा चुनाव से होगी नई शुरुआत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा अब चुनावों के दौरान मतदाताओं को लुभाने के लिए मुफ्त की रेवड़ियों को बांटने जैसी घोषणाओं (फ्रीबीज) पर ब्रेक लगाने की तैयारी में है। पार्टी ने इसके स्थान पर एक वैकल्पिक मॉडल तैयार किया है, जो सीधे कैश ट्रांसफर या अन्य छूट (नॉन परफॉर्मिंग एक्सपेंडिचर) की जगह राज्य की जीडीपी को गति देने वाले आर्थिक उपायों पर केंद्रित होगा। वैसे इसकी शुरुआत बिहार विधानसभा चुनाव से हो सकती थी, लेकिन इसे असम विधानसभा चुनाव तक के लिए रोक कर रखा गया है।

दरअसल बताया जा रहा है कि मुफ्त की स्कीमों के वादे की बजाय इस नए मॉडल की शुरुआत 2026 में होने वाले असम विधानसभा चुनाव से होगी। भाजपा यह व्यवस्था उन्हीं राज्यों में लागू करेगी, जहां पार्टी खुद सरकार में है, मुख्य विपक्षी दल की भूमिका में है या जहां अपने दम पर चुनाव लड़ेगी। वैसे बताया यह भी गया है कि जहां पहले से फ्रीबीज की घोषणाएं हो चुकी हैं या पार्टी ने जिसका वादा किया हुआ है, वह योजनाएं जारी रहेंगी, लेकिन अगले चुनावों में वहां भी नया मॉडल लागू किया जाएगा। यानी 2028 के बाद भाजपा शासित सभी राज्यों में यह व्यवस्था होगी। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता के हवाले से बताया जा रहा है कि दिल्ली चुनाव के दौरान ही शीर्ष नेतृत्व ने अगले चुनावों में फ्रीबीज का वैकल्पिक मॉडल अपनाने के लिए रणनीति बनाने पर विचार रखा था।

सब्सिडी पर भी होगा पुनर्विचार

राज्य सरकारों को कई तरह की सब्सिडी पर हर महीने भारी खर्च करना पड़ता है। इनमें खाद्य सब्सिडी (जैसे- चावल और गेहूं को 2-3 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से उपलब्ध कराना), कृषि सब्सिडी (किसानों को बिजली, उर्वरक और बीज पर दी जाने वाली छूट), शिक्षा और स्वास्थ्य सब्सिडी, परिवहन सब्सिडी तथा ऊर्जा सब्सिडी जैसी योजनाएं शामिल हैं।

असम में 4 लाख स्वयं सहायता समूहों को आर्थिक सहयोग

असम भाजपा के अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने कहा कि राज्य में लगभग 4 लाख स्वयं सहायता समूह हैं, जिनमें प्रत्येक समूह में 10 महिलाएं जुड़ी हैं। इस प्रकार कुल 40 लाख महिलाएं इससे लाभान्वित हो सकती हैं। उन्होंने बताया कि भाजपा सरकार हर महिला को सालाना 10 हजार रुपये की आर्थिक मदद देगी, जिससे उनका कारोबार बढ़ सके। अगले साल यह राशि 20 हजार रुपये कर दी जाएगी, जिसमें 10 हजार रुपये का लोन होगा, जिसे सस्ती ब्याज दरों पर चुकाना होगा, जबकि शेष 10 हजार रुपये सरकार की ओर से दिए जाएंगे। इस

प्रकार, पांच सालों में प्रत्येक महिला को कुल 90 हजार रुपये का सहयोग मिलेगा, जिससे राज्य की आर्थिक गतिविधियों में लगभग 33 हजार करोड़ रुपये का संचार होगा। इस नए फॉर्मूले के तहत भाजपा का लक्ष्य आर्थिक सुधार को प्राथमिकता देना और मुफ्त की योजनाओं की जगह उत्पादक निवेश को बढ़ावा देना है।

कला, संस्कृति और शिक्षा का संगम आयरलैंड

योरप के पश्चिमी छोर पर स्थित नन्हा-सा देश रिपब्लिक ऑफ आयरलैंड जहां अपने सुदीर्घ इतिहास और कला-संस्कृति के लिए जाना जाता है, वहीं शिक्षा के लिहाज से भी यह विदेशी विद्यार्थियों को आकर्षित कर रहा है। आयरलैंड की कला और संस्कृति को योरप क्या, संपूर्ण विश्व में आदर के साथ देखा जाता है। बड़े-बड़े साहित्यकारों ने अपनी रचनाओं में यहां के जीवन, प्राकृतिक सौंदर्य, संस्कृति एवं सभ्यता का बखूबी बखान किया है। आयरिश संगीत एवं नृत्य को भला कौन नहीं जानता! यहां के प्राचीन किले वास्तुकला का बखान करते हैं।

आयरलैंड को उसकी उन्नात शिक्षा प्रणाली के लिए भी जाना जाता है। दीर्घकाल से यहां विदेशी विद्यार्थियों की उपस्थिति रही है। यहां सरकारी विश्वविद्यालयों एवं कॉलेजों के अलावा बड़ी संख्या में गैर-सरकारी कॉलेज एवं टेक्निकल इंस्टीट्यूट मौजूद हैं। डबलिन का ट्रिनिटी कॉलेज आयरलैंड का प्राचीनतम विश्वविद्यालय है। इसकी स्थापना 1592 में की गई थी।

शोध में शीर्ष पर

विश्व के सभी देशों में आज शोध कार्यों को वरीयता दी जा रही है। आयरलैंड भी इससे अछूता नहीं है। शोध कार्यों को यहां प्रोत्साहित किया जाता है। शिक्षण संस्थानों का प्रयास रहता है कि इस काम में किसी भी तरह की अड़चन न आए। यहां से शोध कार्य करके निकले विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्रों में शीर्ष मुकाम हासिल करने में सफल हुए हैं। आयरलैंड के कॉलेजों एवं विश्वविद्यालयों में विद्यार्थियों के मध्य प्रतिस्पर्धात्मक माहौल स्पष्ट रूप से देखने को मिलता है। विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत करके अपने आप को शैक्षणिक प्रतिस्पर्धा में बनाए रखना होता है।

विषयों की बहुलता

आयरलैंड में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक विद्यार्थियों के सामने विषय का चयन कोई आसान काम नहीं है। विषयों की अधिकता और सभी में उत्कृष्ट शिक्षा उन्हें अनेक विकल्प उपलब्ध कराती है। मसलन, आयरलैंड और साहित्य के बीच गहरा नाता है। यहां का लगभग प्रत्येक नागरिक कहीं-न-कहीं साहित्य के प्रति गहरी आस्था रखता है। यहां के कई साहित्यकारों ने विश्व साहित्य पर अपनी छाप छोड़ी है। विदेशी विद्यार्थी हों या स्थानीय, दोनों ही लिटरेचर कोर्सेस में खासी दिलचस्पी दिखाते हैं। आयरलैंड ने एक ओर जहां आधुनिक तकनीक को अपनाया है, वहीं अपनी प्राचीन परंपराओं को भी सहेजकर रखा है। शिक्षण संस्थानों में गौरवशाली प्राचीन संस्कृति से संबंधित कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, वहीं हर आधुनिक तकनीक विद्यार्थियों को मुहैया कराई जाती है। यहां के समस्त शिक्षण संस्थानों में कम्प्यूटर एजुकेशन पर विशेष जोर दिया जाता है। साहित्य एवं टेक्नोलॉजी तो स्थानीय एवं विदेशी विद्यार्थियों की वरीयता सूची में हैं ही, लेकिन अब कम्यूनिकेशन और इतिहास विषय भी इस सूची में शामिल हो गए हैं। इन विषयों में विद्यार्थियों को आधुनिकतम तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराई जाती है।

अन्य सुविधाएं

अगर आप आयरलैंड में पढ़ाई के साथ-साथ काम भी करना चाहते हैं, तो इसके लिए आपको उस संस्थान की अनुमति लेनी होगी, जहां आपने प्रवेश लिया है। निर्धारित नियमों के अंतर्गत सोच-विचार करके आपको सप्ताह में कुछ घंटे तक जॉब करने की अनुमति मिल सकती है।

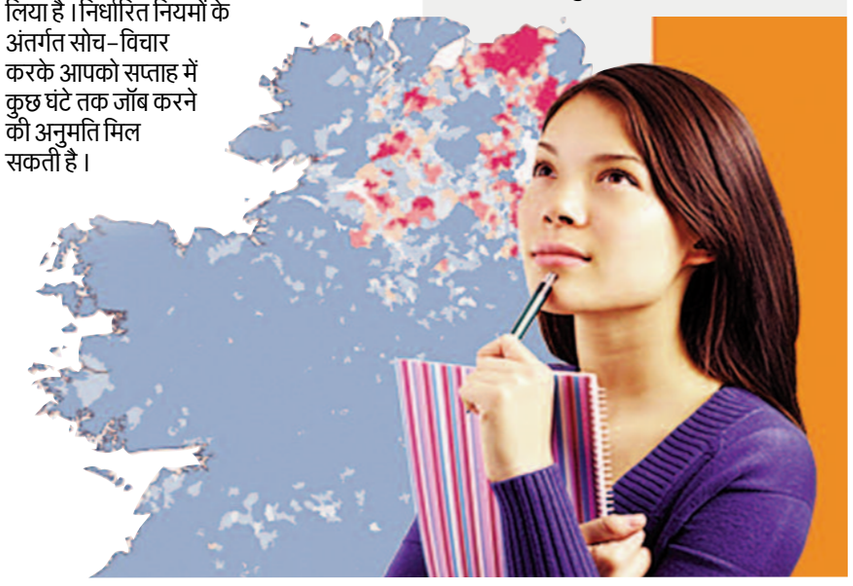

यूं बढ़ रही है स्किल्ड ब्रांड मैनेजर्स की मांग

आज भारतीय उपभोक्ताओं के पास हर उत्पाद के लिए कई विकल्प उपलब्ध हैं, क्योंकि हर कंपनी अपने प्रोडक्ट को प्रमोट करने के लिए ग्राहक को आकर्षित करने की कोशिश करती है। इस पूरी प्रक्रिया में ब्रांडिंग की बड़ी भूमिका होती है।

उपभोक्ता के मन में एक प्रोडक्ट की स्थायी जगह बनाने में ब्रांडिंग का बड़ा हाथ होता है। हर बड़ी कंपनी अपने प्रोडक्ट और सर्विसेज को बाजार में प्रमोट करने के लिए ब्रांड मैनेजर्स को हायर करती है। ब्रांडिंग प्रक्रिया में नए उत्पाद के लॉन्च होने से लेकर उसे उपभोक्ता की जिंदगी का अहम हिस्सा बनाने तक की रणनीति शामिल होती है। हर कंपनी अपने प्रोडक्ट और सर्विसेज की ब्रांडिंग के लिए ऐसे लोगों को हायर करना चाहती है, जिनके पास प्रमोशन के विभिन्न आइडियाज हों। अगर आप भी इस तरह के करियर ऑप्शन की तलाश में हैं, तो ब्रांड मैनेजमेंट आपके लिए आदर्श करियर बन सकता है।

कैसे करें शुरूआत?

ब्रांड मैनेजमेंट में करियर बनाने के लिए आप ग्रेजुएशन के बाद ब्रांड मैनेजमेंट से एमबीए करके स्पेशलाइजेशन हासिल कर सकते हैं। इसके अलावा एमबीए-मार्केटिंग से स्पेशलाइजेशन करके इस करियर को शुरू किया जा सकता है।

करियर की संभावनाएं

ब्रांड मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रेजुएशन करने के बाद फ्रेशर्स को एंट्री लेवल पर असिस्टेंट ब्रांड मैनेजर की जॉब मिल सकती है। अपने अच्छे आइडियाज, परफॉर्मेंस और इनोवेशन से उम्मीदवार मिड लेवल तक पहुंच सकते हैं यानी ब्रांड मैनेजर बन सकते हैं।

किस एरिया में जॉब?

प्रतिभाशाली और स्किल्ड ब्रांड मैनेजर्स की मांग फार्मास्यूटिकल, मोबाइल, इंश्योरेंस, हेल्थकेयर कंपनियों, मीडिया हाउसेस, ऑटोमोबाइल कंपनीज वगैरह में काफी है। बढ़ती प्रतिस्पर्धा को देखते हुए हर कंपनी अपने प्रोडक्ट की ब्रांडिंग आकर्षक तरीके से करनी चाहती है।

कितना पैकेज?

इस इंडस्ट्री में फ्रेशर्स का स्टार्टिंग सैलेरी पैकेज तीन से साढ़े तीन लाख प्रति वर्ष हो सकता है। सैलेरी पैकेज इस बात पर भी निर्भर करता है कि आप कौन-से संस्थान में और किस शहर में काम कर रहे हैं।

ये गुण जरूरी

ब्रांड मैनेजर बनने के लिए एक व्यक्ति को न मोटिवेटेड और बड़ी जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार रहना जरूरी होता है।

- अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स होनी चाहिए।
- सुपरविजन, प्रॉब्लम सॉल्विंग और प्लानिंग स्किल्स में भी आगे होने चाहिए।
- उम्मीदवार किस तरह के आइडियाज के साथ प्रोडक्ट की ब्रांडिंग कितने क्रिएटिव तरीके से करते हैं और उसका कैसा रिस्पांस मिलता है, यह भी बहुत मायने रखता है।

दवा मार्केटिंग के मास्टर

फार्मास्युटिकल उद्योग तेजी से बढ़ने वाले उद्योगों में से एक है। शानदार ग्रोथ की वजह से इसमें नौकरियां भी तेजी से बढ़ी हैं। अगर आप साइंस बैकग्राउंड के हैं और सेल्स तथा कस्टमर को मैनेज करने का हुनर रखते हैं, तो मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव के रूप में करियर की बेहतरीन शुरूआत कर सकते हैं। भारत का फार्मा सेक्टर 13-14 फीसदी सालाना की दर से ग्रो कर रहा है। मेडिकल फील्ड में हो रही गतिविधियों के कारण मेडिसिन मार्केट भी कमर्शियल रूप से काफी आगे बढ़ रहा है। एफडीआई के बाद से इसमें और विस्तार होने की उम्मीद की जा रही है। कई विदेशी कंपनियां अपने उत्पादों का पेटेंट कराकर भारत में कारोबार करने आ रही हैं। इससे घरेलू फार्मा इंडस्ट्री और तेजी से विकसित हो रही है। इसे देखते हुए कहा जा सकता है कि आने वाले दिनों में इस फील्ड में मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव्स के लिए जॉब्स की कमी नहीं होगी।

मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव्स फार्मास्युटिकल कंपनीज और हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स के बीच की कड़ी होते हैं। वे उत्पादों को एक रणनीति के साथ बाजार में प्रमोट करते हैं। वन-टु-वन के अलावा वे ग्रुप इवेंट्स ऑर्गेनाइज कर दवाइयों के प्रति जागरूक करते हैं। फार्मास्युटिकल कंपनीज मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव्स को नियुक्त करती हैं, ताकि वे कस्टमर्स और डॉक्टर्स को अपने प्रोडक्ट की उपयोगिता के प्रति संतुष्ट कर सकें। इस तरह मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव दवाइयों की मार्केटिंग में एक अहम भूमिका निभाते हैं। अलग-अलग दवा कंपनियां अपने यहां नियुक्ति के बाद कैंडिडेट्स को स्पेशल स्किल डेवलपमेंट की ट्रेनिंग देती हैं। उन्हें एनाटॉमी, फिजियोलॉजी, फार्माकोलॉजी, सेल्समैनशिप की ट्रेनिंग के अलावा डॉक्टर्स की प्रोफाइल, उत्पादों की जानकारी और फील्ड ट्रेनिंग दी जाती है, जिसके तहत सैलिंग टेक्नीक्स बताई जाती हैं। फील्ड ट्रेनिंग के दौरान फ्रेश ग्रेजुएट्स को किसी सीनियर मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव के अधीन काम करना होता है।

जरूरी स्किल्स

मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव बनने के लिए आपके पास मेडिकल फील्ड, मैनेजमेंट और मेडिसिन की संपूर्ण जानकारी होनी चाहिए। आपको मानव शरीर और दवा में इस्तेमाल होने वाले रासायनिक तत्वों की भी जानकारी रखनी होगी। ऐसे में आपके पास कम्युनिकेशन स्किल्स के साथ-साथ अंग्रेजी-हिंदी की अच्छी जानकारी होनी चाहिए। इस फील्ड में काम के कोई तय घंटे नहीं होते हैं, इसलिए आपको इसके लिए पहले से तैयार रहना होगा। खुद को फिजिकली भी फिट रखना होगा।

एजुकेशनल क्वॉलिफिकेशन

फार्मा बिजनेस मैनेजमेंट में बीबीए या एमबीए, फार्मास्युटिकल एंड हेल्थकेयर मार्केटिंग में पीजी डिप्लोमा, फार्मा मार्केटिंग में डिप्लोमा या पोस्ट ग्रेजुएशन डिप्लोमा कोर्स करने के बाद आप इस फील्ड में आगे बढ़ सकते हैं। इसके अलावा, सेलिंग और मार्केटिंग की स्किल रखने वाले साइंस ग्रेजुएट्स भी एंट्री ले सकते हैं। आज कई विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में इससे संबंधित कोर्स संचालित किए जा रहे हैं। कुछ संस्थानों में फार्मा बिजनेस मार्केटिंग से संबंधित कोर्स भी शुरू हो चुके हैं। डिप्लोमा कोर्स करने के लिए आपको साइंस के साथ 12वीं पास होना जरूरी है। पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा में प्रवेश के लिए स्टूडेंट्स के पास बीएससी, बीफार्मा की डिग्री होनी चाहिए। 12वीं (मैथ्स और बायोलॉजी) के बाद बीबीए (फार्मा बिजनेस) में दाखिला लिया जा सकता है।

सैलरी पैकेज

सामान्य तौर पर शुरूआती वेतन 10 से 20 हजार रुपए तक होता है लेकिन अनुभव के आधार पर आमदनी में इजाफा होता रहता है। कुछ अनुभव हासिल करने के बाद 30 से 40 हजार रुपए प्रतिमाह आसानी से हासिल किए जा सकते हैं। पांच या सात साल के अनुभव के बाद वेतन लाखों में हो सकता है। इसके अलावा, आपके परफॉर्मेंस के आधार पर समय-समय पर इंसेंटिव सहित कई तरह की सुविधाएं दी जाती हैं। सेल्स टारगेट अचीव करने वालों को कई बार ब्रांड मैनेजमेंट जैसी जिम्मेदारी तक सौंप दी जाती है। इससे आपकी आमदनी बढ़ने के साथ-साथ मार्केट में एक अलग पहचान बनती है।

तरक्की की संभावनाएं

सेल्स परफॉर्मेंस और कस्टमर्स को मैनेज करने का हुनर रखने वाले मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव फार्मास्युटिकल मार्केटिंग में शानदार करियर बना सकते हैं। जो लोग कंपनी के टारगेट को समय-समय पर अचीव करते चलते हैं, उन्हें प्रमोशन मिलने में भी देर नहीं लगती है। आप एरिया मैनेजर, रीजनल या जोनल मैनेजर, डिवीजनल सेल्स मैनेजर, डिवीजनल कंट्रोलर, डिप्टी मार्केटिंग मैनेजर के अलावा मार्केटिंग मैनेजर के रूप में प्रमोशन पा सकते हैं। मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव के अलावा, मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव, प्रोडक्ट एग्जीक्यूटिव, बिजनेस एग्जीक्यूटिव के रूप में काम करने का पूरा अवसर है। एमबीए या फार्मेसी की डिग्री रखने वाले एरिया मैनेजर, सर्कल मैनेजर, प्रोडक्ट मैनेजर, ग्रुप प्रोडक्ट मैनेजर, क्वॉलिटी कंट्रोल मैनेजर, ब्रांड मैनेजर या मैनेजमेंट ट्रेनी के रूप में दवा कंपनियों के साथ जुड़ सकते हैं। इन कंपनियों में एक-दो साल का अनुभव रखने वाले मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव्स को इंटरव्यू के आधार पर नियुक्त किया जाता है। इसके अलावा, समय-समय पर अखबारों में और वेब साइट्स पर भी विज्ञापन निकलते रहते हैं।

मार्च के अंत तक जन नायकन की शूटिंग पूरी कर लेंगे विजय

साउथ सुपरसर विजय फिलहाल एच. विनोत द्वारा निर्देशित अपनी आखिरी फिल्म जन नायकन के शेड्यूल को पूरा कर रहे हैं। अभिनेता ने पुष्टि की है कि राजनीति में सक्रिय रूप से प्रवेश करने से पहले यह फिल्म इंडस्ट्री में उनका आखिरी प्रोजेक्ट होगा। अब, इस फिल्म को लेकर नई जानकारी सामने आई है। खबर है कि विजय जल्द ही आगामी फिल्म पर काम पूरा करने की उम्मीद कर रहे हैं।

कब तक शूटिंग पूरी करेंगे विजय

रिपोर्ट्स के अनुसार, विजय से मार्च के अंत और अप्रैल 2025 के पहले सप्ताह के बीच किसी समय जन नायकन के लिए अपने हिस्से का काम पूरा करने की उम्मीद है। इसके ठीक बाद वह अपने राजनीतिक जीवन में पूरी तरह से बदलाव करेंगे और तमिलनाडु में सक्रिय रूप से प्रचार करना शुरू कर देंगे।

कब आएगा फिल्म का टीजर

इस बीच फिल्म का टीजर विजय के जन्मदिन 22 जून 2025 के अवसर पर जारी होने की उम्मीद है। साथ ही फिल्म का नया पोस्टर भी जारी हो सकता है। हालांकि, इस मामले पर निर्माताओं या अभिनेता की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। रिपोर्ट्स के अनुसार एच विनोत द्वारा निर्देशित फिल्म में विजय एक पूर्व पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा सकते हैं। हालांकि, निर्माताओं या फिल्म के अंदर किसी ने भी इसकी पुष्टि नहीं की है कि क्या फिल्म में अभिनेता एक पूर्व पुलिस अधिकारी की भूमिका में होंगे।

पूजा और विजय की दूसरी फिल्म

अनिरुद्ध रविचंदर द्वारा संगीतबद्ध की जा रही इस फिल्म में हाल ही में एक डांस सीक्वेंस की भी शूटिंग की गई है। यह फिल्म कथ्थी, मास्टर, बीस्ट और लियो जैसी फिल्मों के बाद विजय के साथ अनिरुद्ध की पांचवीं फिल्म होगी। जन नायकन के एक एक्शन-थ्रिलर होने की खबर है, जिसमें कुछ राजनीतिक एंगल भी शामिल होंगे। वहीं, विजय के साथ यह पूजा की दूसरी फिल्म है। इससे पहले ये दोनों कलाकार नेल्सन दिलीप कुमार द्वारा निर्देशित 2022 की फिल्म बीस्ट में मुख्य भूमिका में साथ नजर आए थे।

फिल्म के कलाकार

कुछ समय पहले फिल्म के निर्माताओं ने आधिकारिक तौर पर एक पोस्टर के साथ इसका अनावरण किया था, जिसमें एक हाथ में जलती हुई मशाल थी। इसके अलावा, निर्माताओं ने फिल्म के मुख्य कलाकारों का भी खुलासा किया था, जिसमें बॉबी देओल, पूजा हेगड़े, ममिता बैजू, प्रियामणि, गौतम वासुदेव मेनन, प्रकाश राज और नारायण प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

संघर्ष के दिनों में भेदभाव की शिकार हुई थीं तेजस्वी

तेजस्वी प्रकाश ने हाल ही में अपने करियर के शुरुआती दौर के संघर्षों को याद किया और बताया कि कैसे वह भेदभाव की शिकार हुईं। तेजस्वी ने दिग्गज अभिनेताओं के साथ काम करते समय अलग तरह से व्यवहार किए जाने की बात को याद किया हालांकि, अपने दूसरे शो के बाद उन्हें अपनी कीमत का एहसास हुआ और उन्होंने खुद को कमतर समझने से इनकार कर दिया।

तेजस्वी ने कहा- शुरू में जब मैं वरिष्ठ अभिनेताओं के साथ काम करती थी, जो मुझसे ज्यादा जाने जाते थे। मेरे साथ बहुत अलग व्यवहार किया जाता था। उन्हें बेहतर कमरे, बेहतर वैनिटी वैन और खाने के लिए बेहतर भोजन भी दिया जाता था। अपने करियर के शुरुआती दौर में मुझे इस तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ा है। मेरे दूसरे शो (संस्कार-धरोहर अपनों की) के अंत तक मुझे अपनी कीमत का एहसास हो गया और मैंने इस व्यवहार को सहने से इनकार कर दिया। मुझे एहसास हुआ कि मुझे अच्छा भुगतान नहीं किया जा रहा था और फिर मैंने और अधिक मांगा। मुझे एहसास हुआ कि लोग मुझे अधिक देखना चाहते हैं। फिर मुझे कम पैसे क्यों मिलने चाहिए।

अजय देवगन की एआई आधारित मीडिया कंपनी शुरू, फिल्म मेकिंग प्रोसेस में आएगी तेजी

अभिनेता अजय देवगन भारतीय सिनेमा के भविष्य के बारे में सोच रहे हैं और इसी के तहत अब वे एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) संचालित मीडिया में क्रांति लाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने एआई-आधारित मीडिया कंपनी शुरू की है। अभिनेता ने प्रिज्मिक्स की घोषणा की है, जो एक एआई-संचालित मीडिया कंपनी है। यह कंटेंट मेकिंग में विशेषज्ञता रखती है। फिल्म निर्माताओं, ब्रांड्स और रचनाकारों को अत्याधुनिक एआई तकनीक के साथ हाई क्वालिटी, स्केलेबल और आकर्षक कहानियां तैयार करने में मदद करेगी। देवगन प्रिज्मिक्स के अध्यक्ष हैं, जो एक टीम का नेतृत्व करेंगे, जिसमें दानिश देवगन (सह-संस्थापक और मुख्य व्यवसाय अधिकारी), वत्सल सेठ (सह-संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी) और साहिल नायर (सह-संस्थापक और मुख्य रचनात्मक अधिकारी) के नाम शामिल हैं।

टीम का उद्देश्य साथ मिलकर कहानी कहने की कला को फिर से परिभाषित करना है, क्रिएटिविटी को उन्नत एआई तकनीक के साथ मिलाकर शानदार मीडिया कंटेंट में बदलने से संबंधित है। इस बारे में अजय देवगन ने कहा, प्रिज्मिक्स के साथ, हम कहानी कहने के भविष्य में कदम रख रहे हैं। एआई केवल एक तकनीक नहीं है, बल्कि एक रचनात्मक भागीदार है, जो फिल्म निर्माताओं और ब्रांड्स को उनके विजन को ऐसे तरीके से जीवंत करने में मदद कर सकता है, जिसकी पहले कभी कल्पना भी नहीं की गई थी। हमारा लक्ष्य हाई क्वालिटी आधारित एआई कंटेंट को अधिक सुलभ और स्केलेबल बनाकर मीडिया में क्रांति लाना है।

मैंने बड़ा बनने के लिए अपने नैतिक मूल्यों से कभी नहीं किया समझौता

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृतिका कामरा ने एक्टिंग की दुनिया में अपने सफर के बारे में बात की। कृतिका ने बताया कि उन्होंने कभी भी बड़ा बनने के लिए अपनी आत्मा को नहीं बेचा और न ही अपने नैतिक मूल्यों से समझौता किया। कृतिका ने कहा, मैंने हमेशा माना है कि खुद के प्रति ईमानदार रहना सफलता की कुंजी है। उन्होंने कहा, मैंने बड़ा बनने के लिए कभी भी अपनी आत्मा को नहीं बेचा और न ही अपने नैतिक मूल्यों से समझौता किया। मेरे लिए, मेरा सफर हमेशा अपने द्वारा चुने गए विकल्पों पर गर्व करने के बारे में रहा है।

उन्होंने कहा, यह सिर्फ मशहूर या स्पॉटलाइट में रहने का सवाल नहीं है, बल्कि यह रात में सुकून से सो पाने के लिए था। चाहे इंडस्ट्री कितनी भी चुनौतीपूर्ण या ग्लैमरस क्यों न हो मैंने अपने मूल्यों के साथ समझौता नहीं किया और इस वजह से ही मैं अपनी जड़ से जुड़ी रही। कृतिका ने स्पष्ट किया है कि वह आकर्षण की तुलना में कंटेंट को प्राथमिकता देती हैं। उन्होंने कहा, मैं ट्रेंड का पीछा नहीं करना चाहती और न ही इंडस्ट्री के दबावों के अनुरूप होना चाहती। मैं चाहती हूं कि मेरा काम मेरे विश्वास, मेरे टेस्ट और मेरी ग्रोथ को दर्शाए। मैं जो भूमिकाएं चुनती हूं, वे मेरे व्यक्तित्व का विस्तार हैं। मेरे लिए, यह ऐसी कहानियां बताने के बारे में है, जो लोगों के साथ जुड़ती हैं और एक स्थायी छाप छोड़ती हैं। कृतिका मटका किंग में नजर आएंगी। यह मुंबई में शुरू हुए मटका जुए की दुनिया को दर्शाती है। इस सीरीज में विजय वर्मा भी हैं, जो मटका किंग की मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। कृतिका ने जनवरी में साझा किया था कि वह साहसिक निर्णय लेने में विश्वास करती हैं और उन्होंने जानबूझकर ऐसे प्रोजेक्ट से दूरी बना ली है जो पुरुषों की नजर को प्राथमिकता देते हैं।

बॉलीवुड इंडस्ट्री में होने चाहिए ये बदलाव; महिला दिवस पर क्रिस्टल डिसूजा ने की मांग

क्रिस्टल डिसूजा बॉलीवुड इंडस्ट्री में सबसे ज्यादा चाही जाने वाली अभिनेत्रियों में से एक हैं। उन्होंने अपनी मेहनत से बहुत ज्यादा फैंस बनाए हैं। वह फितरत सीरीज में बेहतरीन काम के लिए जानी जाती हैं। आज क्रिस्टल डिसूजा महिला दिवस मना रही हैं। ऐसे में उन्होंने औरतों के लिए एक बहुत अच्छा पैगाम दिया है।

सभी को एक दूसरे का समर्थन करना चाहिए

औरतों के बारे में बात करते हुए क्रिस्टल डिसूजा ने उनकी ताकत के बारे में बात की और कहा हम ताकतवर हैं। हम जो सोच लें उसे पाने के काबिल हैं। चलों एक दूसरे का समर्थन करना शुरू करते हैं और उनको वो मकाम देते हैं जो उनके लायक हैं। हमारी आवाज माइने रखती है। हमारे सपने अच्छे हैं। दुनिया को हमारी ताकत की जरूरत है।

यादगार थी क्रिस्टल की होली

होली के मौके पर बीकानेर में अपनी सहेलियों के साथ मनाए गए यादगार महिला दिवस को याद करते हुए क्रिस्टल ने कहा, 8 मार्च 2023 में पड़ने वाला महिला दिवस बहुत खास था क्योंकि यह होली के दिन पड़ा था। हम अपनी सहेलियों के साथ बीकानेर गए थे, जहां हमने होली और महिला दिवस दोनों को एक साथ मनाया था। वाकई ये मेरे लिए बहुत अच्छा महिला दिवस था। यह प्यार, खुशी और रंगों से भरा हुआ था।

इंडस्ट्री में औरतों के लिए चीजे बेहतर हुई हैं

क्रिटल डिसूजा ने बताया कि बॉलीवुड इंडस्ट्री औरतों के लिए आसान नहीं थी। लेकिन अब चीजें बहुत बदल गई हैं। कई महिला काफी समय से शोबिज में काम कर रही हैं। पिछले कुछ सालों में चीजें बेहतर हुई हैं और अब ज्यादा महिलाएं इस इंडस्ट्री में ऊंचे पदों पर हैं। मुझे लगता है कि इंडस्ट्री में महिलाओं की तरक्की हुई है। कई औरतें अब कार्यकारी पदों पर हैं, कार्यस्थल पर भेदभाव के प्रति जागरूकता बढ़ी है। इंडस्ट्री में होने चाहिए बदलाव क्रिटल के मुताबिक महिलाओं को कमांडिंग पदों पर रखना ही काफी नहीं है। महिलाओं के लिए माहौल को सुरक्षित और आरामदायक बनाने की जरूरत है। इंडस्ट्री में महिलाओं का समर्थन करने वाली और नीतियां बननी चाहिए। कार्यस्थल पर भेदभाव के खिलाफ मजबूत सुरक्षा मिलनी चाहिए।

फिल्मों की री-रिलीज पर विवेक अग्निहोत्री का तंज

फिल्म निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने हाल ही में बॉलीवुड इंडस्ट्री को लेकर बात की। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट साझा कर एक लंबा नोट लिखा है। उनका कहना है कि बॉलीवुड संघर्ष के दौर से गुजर रहा है। इसका पतन हो रहा है और यह खस्ताहाल स्थिति में है। निर्देशक ने हाल के दिनों में पुरानी फिल्मों को दोबारा रिलीज किए जाने के चलन पर भी प्रतिक्रिया दी।

बॉलीवुड का पतन हो रहा है

विवेक अग्निहोत्री ने अपने एक्स अकाउंट (पूर्व में ट्विटर) से एक पोस्ट शेयर किया है। इसके साथ लिखा है, बॉलीवुड गिर रहा है और यह सबसे अच्छी बात है जो हो सकती है। बॉलीवुड खस्ताहाल में है और यह इंडस्ट्री के लिए अच्छा है। नई इमारत खड़ी करने के लिए आपको पुरानी इमारत को गिराना होगा। यही वह समय है। आगे लिखा है, आज बॉलीवुड में शायद ही कोई स्वतंत्र निर्माता है। यहां अब कोई नया निर्माता नहीं है। नए आइडिया नहीं हैं। कोई इनोवेटिव डिस्ट्रीब्यूशन और मार्केटिंग रणनीति नहीं है। विवेक अग्निहोत्री ने आगे लिखा है, कुछ साल पहले बॉलीवुड में एक दर्जन स्टूडियो थे। अब केवल दो या तीन बचे हैं और वे भी एकाधिकारवादी हैं। और वे फिल्म निर्माण के अलावा अन्य कारणों से यहां हैं। सिनेमा के प्रति जुनून की जगह कॉर्पोरेट लालच और एजेंडा वाले कंटेंट ने ले ली है। फिल्में नहीं हैं। फिल्मों का मानो अकाल पड़ गया है, इसीलिए पुरानी फिल्मों को रिलीज करने की होड़ मची हुई है।

अच्छे निर्देशकों ने हार मान ली है

विवेक अग्निहोत्री ने आगे लिखा है, अधिकांश निर्देशक जो इस कठिन समय में कुछ बदलाव ला सकते थे, उन्होंने हार मान ली है और ओटीटी के आगे घुटने टेक दिए हैं। फिल्म बिजनेस को चलाते रहने के लिए स्टार-अभिनेता जरूरी हैं। लेकिन कोई भी होनहार नया सितारा नहीं है। यदि आप 21-35 आयु वर्ग के किसी कलाकार को कास्ट करना चाहते हैं, तो आपको करीब-करीब शायद कोई मिले ही न। न तो हीरो और न ही हीरोइन। जो कुछ हैं वे हिंदी नहीं बोल सकते। इमोशंस नहीं दिखा पाते। अपने काम से ज्यादा इंस्टाग्राम में दिलचस्पी है। विवेक अग्निहोत्री के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह अपनी फिल्म द दिल्ली फाइल्स- द बंगाल चैप्टर की तैयारी में व्यस्त हैं।

मैं आभारी हूं कि मुझे जॉन अब्राहम के साथ अभिनय करने का मौका मिला...

जॉन अब्राहम इन दिनों अपनी फिल्म द डिप्लोमैट को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में उनके साथ विधात्री बंदी भी नजर आएंगी। उन्होंने इस बारे में कहा... यह संघर्ष का एक वर्ष रहा है। जलसा और मैक्स, मिन और मेवजाकी के बाद यह अवसर न केवल मेरे लिए बल्कि संघर्ष करने वाले हर कलाकार के लिए बहुत मायने रखता है। यह जर्नी आपको बहुत कुछ सिखाती है और मैं वास्तव में आभारी हूं कि आखिरकार मुझे जॉन अब्राहम के साथ अभिनय करने का मौका मिला। यह एक अविश्वसनीय अनुभव था। हम पहली बार स्क्रीन शेयर कर रहे थे और यह वास्तव में यादगार था। मुझे उम्मीद है कि भविष्य में हमें साथ मिलकर काम करने के और मौके मिलेंगे। द डिप्लोमैट 14 मार्च को रिलीज होगी। पहले यह फिल्म 7 मार्च को रिलीज होने वाली थी। यह एक भारतीय राजनयिक के पाकिस्तान से भारतीय लड़की को वापस लाने के प्रयासों की सच्ची कहानी पर आधारित है। इस फिल्म में जॉन इस्लामाबाद में भारत के पूर्व उप उच्चायुक्त जेपी सिंह की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण जॉन अब्राहम, भूषण कुमार, समीर दीक्षित, अश्विन, राजेश बहल, विपुल शाह और कृष्णन कुमार मिलकर कर रहे हैं। इसका निर्देशन शिवम नायर ने किया है, जो नाम शबाना और मुखबिर जैसी फिल्म और वेब सीरीज बना चुके हैं।

दैनिक फ्यूचर लाइन टाईम्स के स्वामी फ्यूचर लाइन ट्रस्ट और संपादक ओमवीर आर्य द्वारा पता वत्स ऑफसेट मुद्रा हाउस, ब्लॉक-सी, बरात घर, चौड़ा रघुनाथपुर, सेक्टर-22, नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर से मुद्रित कराकर ग्राम व पोस्ट दुजाना, जनपद गौतमबुद्ध नगर से प्रकाशित किया। किसी भी वाद का निस्तारण जिला एवं सत्र न्यायालय गौतमबुद्ध नगर उत्तर प्रदेश में होगा। मोबाइल नंबर-9313452979 आर.एन.आई. नंबर -UPHIN/2022/87673